इंदौर, बुधवार 17 जून 2026
■ वर्ष : 5 ■ अंक : 198
■ पृष्ठ : 6 ■ मूल्य : 2

dainikindoresanket.com
dainikindoresanket
dainikindoresanket
dainikindoresanket24@gmail.com

सांध्य दैनिक

इंदौर संकेत

आरएनआई – एमपीएचआईएन/2021/81650

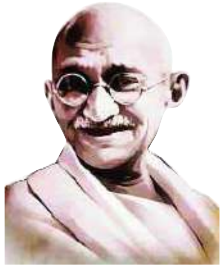

राष्ट्रपिता को नमन...

अंदर के पन्नों पर...

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु कल पहुंचेंगी ओंकारेश्वर

पेज-2

अंजना ने साझा किए दिलचस्प पहलू

पेज-5

1350 करोड़ का कर्ज लेगा नगर निगम

पेज-6

साथी हाथ बढ़ाना...

फ्रांस। सीढ़िया चढ़ते हुए ठिठक गए ट्रंप, पीएम मोदी ने हाथ बढ़ाकर दिया सहारा।

राज्यसभा की करारी हार के बाद कांग्रेस में सर्जरी की तैयारी

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ◐ मध्यप्रदेश राज्यसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद कांग्रेस संगठन में बड़े बदलावों की चर्चा तेज हो गई है। पार्टी के भीतर चुनावी रणनीति और संगठनात्मक चूक को लेकर जवाबदेही तय करने की मांग उठ रही है। माना जा रहा है कि राज्यसभा चुनाव में हुए नुकसान के बाद प्रदेश संगठन में सर्जरी की तैयारी है और इसकी शुरुआत प्रदेश प्रभारी के स्तर से हो सकती है। सूत्रों के अनुसार, प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी की भूमिका को लेकर कांग्रेस हाईकमान गंभीर समीक्षा कर रहा है। राज्यसभा चुनाव के दौरान अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की ओर से स्पष्ट निर्देश थे कि पार्टी अपने उम्मीदवार को जीत दिलाने के लिए पूरी ताकत लगाए, लेकिन नामांकन प्रक्रिया में हुई चूक कांग्रेस को भारी पड़ गई। पार्टी इस पूरे घटनाक्रम को संगठनात्मक विफलता के रूप में देख रही है।

बताया जा रहा है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पूरे मामले की विस्तृत रिपोर्ट तलब की है। रिपोर्ट मिलने के बाद संगठनात्मक बदलावों पर फैसला लिया जा सकता है। कांग्रेस के इतिहास पर नजर डालें तो मध्यप्रदेश में अपेक्षित परिणाम नहीं मिलने पर प्रदेश प्रभारियों को बदला जाना कोई नई बात नहीं है। इससे पहले भी ऐसे उदाहरण सामने आ चुके हैं।

राम नाम जपना, दान का माल अपना

जिस पर उठे सवाल, उसी ने खोले पत्ते!

अयोध्या (एजेंसी) ◐ श्रीराम मंदिर की दान राशि में कथित गड़बड़ी और गबन के मामले में अब नया मोड़ सामने आया है। लंबे समय से सवालों के घेरे में चल रहे रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू मंगलवार को कैमरे के सामने आए और उन्होंने अपने पक्ष में कई बड़े दावे किए।

टिन्नू ने दान राशि की गिनती प्रक्रिया से जुड़े लोगों के नामों का खुलासा करते हुए कहा कि पूरी प्रक्रिया एक तय व्यवस्था के तहत होती थी और इसमें कई जिम्मेदार लोग शामिल थे। उनके इस बयान के बाद अब जांच की दिशा कई और लोगों की तरफ बढ़ती नजर आ रही है। टिन्नू ने दावा किया कि दान राशि की गिनती की जिम्मेदारी ट्रस्ट से जुड़े अनिल मिश्रा की देखरेख में होती थी। उन्होंने कहा कि कैश से जुड़ी पूरी प्रक्रिया अनिल मिश्रा की निगरानी में चलती थी। इसके साथ ही उन्होंने तीन अन्य लोगों के नाम भी बताए, जो गिनती प्रक्रिया में अहम भूमिका निभाते थे। अब ये सभी नाम जांच एजेंसी की नजर में आ गए हैं।

रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू ने बताया कि दान राशि की गिनती के लिए तीन इंचार्ज बनाए गए थे। इनमें दीनानाथ वर्मा, प्रकाश गुप्ता और सुभाष श्रीवास्तव शामिल थे। उन्होंने बताया कि गिनती की प्रक्रिया एक विशेष व्यवस्था के तहत होती थी। एक चाबी ट्रस्ट के पास रहती थी, जबकि दूसरी चाबी बैंक कर्मियों के पास होती थी। दोनों चाबियों के इस्तेमाल के बाद ही ताला खोला जाता था और उसके बाद दान राशि की गिनती शुरू होती थी। टिन्नू के मुताबिक, गिनती के दौरान मौजूद सभी लोगों की भूमिका तय थी और पूरी प्रक्रिया कई लोगों की निगरानी में होती थी। बयान के दौरान टिन्नू ने अपने ऊपर लगे आरोपों को सिरे से खारिज किया। उन्होंने कहा कि कुछ लोग उनके खिलाफ साजिश कर रहे हैं। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें अभी तक यह जानकारी नहीं है कि आखिर कौन लोग उनके खिलाफ ऐसा कर रहे हैं। टिन्नू ने कहा कि जांच में सच्चाई सामने आ जाएगी।

50 करोड़ की संपत्ति के आरोपों पर भी दी सफाई

दान राशि विवाद के अलावा रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू की संपत्ति को लेकर भी सोशल मीडिया पर कई तरह के दावे किए जा रहे थे। इन दावों पर भी उन्होंने प्रतिक्रिया दी और कहा कि उनकी 50 करोड़ रुपये की संपत्ति होने की बातें पूरी तरह गलत और भ्रामक हैं। टिन्नू ने बताया कि उन्होंने 1988 में ओटीसी किया था और 1993 में विश्व हिंदू परिषद से जुड़कर राम जन्मभूमि आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाई थी। उन्होंने कहा कि जिस जमीन और मकान को लेकर सवाल उठाए जा रहे हैं, उसे उन्होंने वर्ष 2008 में खरीदा था।

समय पर सूचना नहीं मिलने से अधिकांश अधिकारी नहीं पहुंचे स्कूल

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ◐ स्कूल चले हम अभियान के तहत मंगलवार को जिले के शासकीय स्कूलों में पहुंचकर प्रशासनिक अधिकारीयों को बच्चों के साथ संवाद करना था। आला अधिकारियों में सिर्फ जिला कलेक्टर शिवम वर्मा, जिला पंचायत सीईओ सिद्धार्थ जैन सहित कुछ ही अधिकारी स्कूलों में पहुंचे और बच्चों से संवाद किया। नगर निगम के आयुक्त क्षितिज सिंघल और सभी अपर आयुक्त इंदौर विकास प्राधिकरण के अधिकारी एमपीआईडीसी, जिला पंचायत, जिला प्रशासन के अधिकांश अधिकारी स्कूलों में नहीं पहुंचे। सभी स्कूलों में विशेष रूप से बच्चों को बुलाया गया था सभी तैयारियां भी पूर्ण कर ली गई थी लेकिन बच्चे इंतजार ही करते रह गए। उधर नगर निगम अधिकारियों ने बताया कि उन्हें देर से सूचना व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से दी गई। किसी ने कोई संपर्क नहीं किया। यही जवाब अन्य अधिकारियों का भी था बताया जाता है कि सभी अधिकारियों को सूचित करने और व्यवस्थाओं को सुनिश्चित करने की जवाबदारी जिला परियोजना समन्वयक डीपीसी संजय कुमार मिश्रा को दी गई थी। लेकिन डीपीसी की ओर से वरिष्ठ अधिकारियों को प्रत्यक्ष कोई सूचना नहीं दी गई। जिला पंचायत सीईओ सिद्धार्थ जैन ने बताया कि 12 जून को प्रशासनिक ग्रुप में स्कूल चले हम अभियान में स्कूल पहुंचने वाले अधिकारियों की सूची डाली गई थी। उन्होंने बताया कि अधिकारियों तक जानकारी कैसे नहीं पहुंची इस बारे में डीपीसी से जवाब तलब किया जाएगा।

इंदौर। कलेक्टर शिवम वर्मा ने खुद के लिए आवंटित शासकीय बाल विनय उत्कृष्ट स्कूल में पहुंचकर बच्चों से संवाद किया। ऐसे अधिकारी जिन्होंने 'स्कूल चले हम' अभियान के तहत अपनी जिम्मेदारियों को नहीं निभाया, उनके लिए कलेक्टर ने एक बेहतर उदाहरण प्रस्तुत किया।

न्यूज ब्रीफ

- एक्सलॉजिक-CMRL मामला : ED दफ्तर पहुंचीं केरल के पूर्व CM विजयन की बेटी वीणा
- दिल्ली पहुंचे यूबीटी सांसद राजाभाऊ वाजे, बोलें- मैं उद्धव के साथ हूं
- किसानों ने बिदादी टाउनशिप मामले में राहुल गांधी को लिखा पत्र, की दखल देने की मांग
- महाराष्ट्र : लोकसभा स्पीकर के आवास पहुंच सकते हैं यूबीटी के बागी सांसद
- UP में विधानसभा चुनाव की तैयारियां तेज, BSP चीफ मायावती ने OBC लीडर्स के साथ की बैठक
- चीन में महसूस किए गए भूकंप के झटके, रिक्टर स्केल पर 4.8 तीव्रता
- बेंगलुरु : एक शख्स ने राज्यपाल को दी कांग्रेस MLA महादेवप्पा के खिलाफ भ्रष्टाचार की शिकायत
- संजय राउत के आवास पर सुबह 9 बजे UBT खेमे की प्रेस कॉन्फ्रेंस
- G-7 नेताओं ने अमेरिका-ईरान डील का एक सुर में किया स्वागत
- लेबनान में इजरायली ड्रोन अटैक में चार लोगों की मौत
- अमेरिका-ईरान के बीच डील के लिए ईश्वर का शुक्रिया : पोप लियो

जिन्होंने लिया था स्टे, उन्हें प्रतिनियुक्ति पर भेजा

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ◐ जम्बो ट्रांसफर लिस्ट में नगर निगम के भी कई अधिकारी प्रभावित हुए है। सोमवार रात जारी ट्रांसफर लिस्ट में वे निगम अफसर भी शामिल हैं, जिनके एक वर्ष पूर्व तबादले हुए थे, लेकिन उन्होंने कोर्ट से स्टे ले लिया की था। इन अफसरों के तबादलों अनुशंसा मंत्री और महापौर तक ने की थी। इस बार शासन ने इनका तबादला उन्हें आदेश न जारी करते हुए प्रतिनियुक्ति पर भेजा है। पिछले साल तबादला आदेश को लेकर कानूनी विवाद होने से इस बार राज्य शासन ने प्रक्रिया में सुधार किया है। पिछली बार जारी तबादला आदेश को न्यायालय में चुनौती मिलने के बाद सरकार ने इस बार प्रत्येक इंजीनियर के लिए अलग-अलग आदेश जारी किए है। पिछले वर्ष नगर निगम के इंजीनियर शैलेंद्र मिश्रा, अंकेश बिरथरिया, राहुल रघुवंशी, प्रभात तिवारी, अंकुश चौरसिया, अतीक खान और शिवराज सिंह यादव का स्थानांतरण किया गया था। इन्होंने अदालत में यह कहते हुए इसे चुनौती दी थी कि उनकी मूल पदस्थापना नगर निगम में है, इसलिए उनका सामान्य तबादला नहीं किया जा सकता। इस पर उन्हें राहत मिल गई और वे निगम में ही कार्यरत रहे। निगम में ही उच्च पद का प्रभार दे दिया गया था। इन अफसरों में से कई की कार्यप्रणाली बेहद विवादित रही थी। सरकार ने पिछली प्रक्रिया में सुधार करते हुए मप्र नगर पालिका अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत सातों इंजीनियरों को प्रतिनियुक्ति पर भेजने का निर्णय लिया है।

ड्रिंक और ड्राइव का खुलेआम मखौल...

इंदौर। चौराहों-चौराहों पर रात्रि गश्त के दौरान पुलिस मुस्तैदी से ड्रिंक एवं ड्राइव का ढोल पिटती है, शहर के व्यस्त बापट चौराहे के पास युवाओं की यह मस्ती पुलिस को मुंह चिढ़ाती नजर आ रही है।

9 में से 6 सांसद छोड़ेंगे उद्धव ठाकरे का साथ!

मुंबई (एजेंसी) ◐ ममता बनर्जी के बाद अब उद्धव ठाकरे को बड़ा झटका लग सकता है। महाराष्ट्र की राजनीति से ऐसी खबरें आ रही हैं जो यूबीटी खेमे की नींद उड़ा सकती हैं। जानकारी के मुताबिक, उद्धव गुट के 9 में से 6 सांसद बगावत का मन बना चुके हैं। अगर यह सियासी पटकथा सच साबित हुई तो स्थापना दिवस से पहले उद्धव ठाकरे को एक और बड़ा झटका लग सकता है। दो बागी सांसद दिल्ली पहुंच गए हैं। इसके बाद देर रात खबर आई कि परभणी सांसद संजय उर्फ बंधु जाधव और यवतमाल वाशिम सांसद संजय देशमुख चार्टर्ड प्लेन से दिल्ली के लिए रवाना हो गए हैं।

जानकारी के मुताबिक, छह बागी सांसद अलग गुट बनाएंगे और इसके बाद शिवसेना (शिंदे गुट) में विलय कर लेंगे। पार्टी में संभावित टूट को रोकने की कोशिश भी तेज है। इसके लिए सांसद अनिल देसाई और संजय राउत भी दिल्ली आ गए हैं। ऐसा माना जा रहा है कि शिवसेना के 60वें स्थापना दिवस (19 जून) से पहले डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे की तरफ से उद्धव ठाकरे को ये झटका दिया जाएगा।

सीएम नहीं आए दबाव में; पहली बार प्रदेश में नहीं बढ़ी ट्रांसफर की तारीख

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ◐ मप्र के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है जब मुख्यमंत्री ने सरकारी कर्मचारियों के स्थानांतरण की समय सीमा मंत्रियों के आग्रह पर भी नहीं बढ़ाई। इसके पहले हर बार ट्रांसफर की तारीखें बढ़ती रही हैं। कैबिनेट बैठक में कई मंत्रियों ने कहा कि सोमवार की रात सर्वर डाउन होने से बहुत से लिस्टें नहीं निकल पाईं, इसलिए डेट आगे बढ़ा दी जाए। सीएम ने कहा-सर्वर डाउन हो गया था तो आज रात 12 बजे तक का और समय देते हैं, लेकिन तबादला तिथि नहीं बढ़ेगी।

आउटसोर्स से चलेंगे रीवा, देवास, गुना के स्वास्थ्य केंद्र:

कैबिनेट बैठक में कई प्रस्ताव भी मंजूर हुए। इसमें रीवा, देवास और गुना के 18 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों को आउटसोर्स माध्यम से संचालित किए जाने के पायलट प्रोजेक्ट को मंजूरी दी गई।

अस्पताल चलाने जमीन और अनुदान देगी सरकार

समाजसेवी संस्थाएं यदि स्वास्थ्य सेवाएं संचालित कराना चाहती हैं, अस्पताल, मेडिकल कॉलेज बनाना चाहती हैं तो उन्हें जमीन और स्वास्थ्य उपकरणों में अनुदान मिलेगा। इसके लिए मप्र मेगा स्वास्थ्य सेवा अधोसंरचना प्रोत्साहन नीति-2026 को लागू किए जाने के प्रस्ताव पर मंत्रिमंडल उप समिति का गठन किया है। इसमें स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ला, लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, एमएसएमई मंत्री चेतन काश्यप, स्वास्थ्य राज्यमंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल, पंचायत एवं ग्रामीण विकास राज्यमंत्री राधा सिंह होंगे।

क्या करेगी समिति

उप समिति टर्शरी, सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल स्थापित करने, चिकित्सा शिक्षा का विस्तार, विशेषज्ञ डॉक्टर तैयार करना, गरीब मरीजों को उपचार की गारंटी, स्वास्थ्य संकेत में मातृ एवं शिशु मृत्युदर को सुधारने एवं रोगियों को उन्नत सुपर स्पेशियलिटी स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने आदि का अध्ययन करेगी। रीवा, देवास तथा गुना जिले के 18 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों का संचालन आउटसोर्स से किए जाने की पायलट परियोजना संचालित किए जाने की स्वीकृति प्रदान की गई।

अमेरिकी खुफिया रिपोर्ट- जंग के बाद और ताकतवर हुआ ईरान

जब चाहे होर्मुज स्ट्रेट बंद कर सकता है, दुनिया की तेल सप्लाई पर खतरा बढ़ा

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी) ◐ अमेरिका-ईरान समझौते के बीच अमेरिकी खुफिया एजेंसियों ने नई चेतावनी दी है। जंग के बाद ईरान पहले से ज्यादा ताकतवर हो गया है। खुफिया एजेंसियों का आकलन है कि अब ईरान जब चाहे होर्मुज को बंद कर सकता है। रिपोर्ट से परिचित तीन सूत्रों ने बताया कि युद्ध के बाद ईरान के पास वैश्विक अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचाने की एक और नई ताकतवर क्षमता आ गई है।

अमेरिकी अधिकारियों का मानना है कि ईरान के पास ऐसा हथियार मिल गया है जो परमाणु बम से ज्यादा असरदार है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि अगर परमाणु बातचीत टूटती है, तो यमन के हूती विद्रोहियों के जरिए बाब-अल-मंदेब स्ट्रेट में भी संकट पैदा कर सकता है। ऐसे में दुनिया के दो बड़े समुद्री व्यापार मार्ग एक साथ प्रभावित हो सकते हैं। ईरान और ओमान ने कहा कि होर्मुज स्ट्रेट से गुजरने वाले जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित की जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

अशोक जैन अध्यक्ष नियुक्त

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर/सिलीगुड़ी • समाज एवं जनकल्याण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों और

संस्थाओं को वैश्विक पहचान दिलाने के उद्देश्य से स्थापित नवकार वर्ल्ड रिकॉर्ड ने अपने स्थापना के 10 वर्ष पूर्ण कर लिए हैं। इस अवसर पर संस्था की कोर कमेटी द्वारा डॉ. विनायक अशोक लुनिया जैन को अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उल्लेखनीय है कि नवकार वर्ल्ड रिकॉर्ड की स्थापना 16 जून 2016 को मध्यप्रदेश की धार्मिक नगरी उज्जैन में लुनिया विनायक ग्रुप ऑफ कंपनीज के संस्थापक स्वर्गीय अशोक लुनिया की प्रेरणा से की गई थी। संस्था देश-विदेश के उन व्यक्तित्वों को सम्मानित करती है जिन्होंने समाज, शिक्षा, संस्कृति, व्यवसाय एवं जनकल्याण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है।

बिजली आपूर्ति संबंधी शिकायतों में व्यापक कमी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • मालवा निमाड़ यानि पश्चिम मप्र में बिजली आपूर्ति संबंधी शिकायतों में पिछले एक माह के दौरान व्यापक कमी दर्ज हुई है। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के मुख्य महाप्रबंधक प्रकाश सिंह चौहान ने बताया कि आपूर्ति में गुणात्मक सुधार एवं सतत पर्यवेक्षण के कारण शिकायतों में कमी की स्थिति निर्मित हुई है। चौहान ने बताया कि कंपनी स्तर यानि पंद्रह जिलों के 62 लाख उपभोक्ताओं पर बिजली आपूर्ति संबंधी शिकायतों की संख्या 15 मई को 9277 थी, यह 15 जून की स्थिति में 7784 रही।

जेराई फिटनेस लिमिटेड ने 'लास्ट वन स्टैंडिंग' लॉन्च किया

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • भारत में फिटनेस उपकरणों के स्वचालित विनिर्माण क्षेत्र की अग्रणी कंपनी जेराई फिटनेस लिमिटेड ने रीबॉक को अपने मर्चेंडाइज एवं फिटनेस एक्सेसरी पार्टनर के रूप में शामिल करते हुए 'लास्ट वन स्टैंडिंग'नामक देश की पहली राष्ट्रीय स्तर की स्ट्रेंथ और एंड्योरेंस चैंपियनशिप की घोषणा की है। यह केवल एक फिटनेस प्रतियोगिता नहीं, बल्कि देशभर के फिटनेस प्रेमियों, एथलीटों, जिम जाने वालों और स्वयं को चुनौती देने वाले आम लोगों को एक मंच पर लाने वाला एक व्यापक अभियान है।

प्राकृतिक चमक के लिए त्वचा को चाहिए आवश्यक पोषक तत्व

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • किसी भी ब्यूटी आइल से गुजरें तो आपको ऐसे सीरम, फेस मास्क औरओवरनाइट क्रीम्स की भरमार दिखाई देती है, जो तुरंत निखार का दावाकरती हैं। लेकिन क्लिनिकल न्यूट्रिशनिस्ट्स के अनुसार, त्वचा वास्तव में शरीर के अंदर हो रही प्रक्रियाओं का ही प्रतिबिंब होती है। रितिका समद्दार, रीजनल हेड डाइटेटिक्स, मैक्स हेल्थकेयर, उन छह आधार भूत पोषक तत्वों को समझाती हैं जो त्वचा को कोशिकीय स्तर से पोषण प्रदान करते हैं।

इसुजु मोटर्स इंडिया ने देशभर में आई-केयर प्री-मानसून सर्विस कैंप की शुरुआत की

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • इसुजु अपने ग्राहकों को बेमिसाल सेवाएँ उपलब्ध कराने और वाहनों के मालिक के तौर पर उन्हें बेहतरीन अनुभव प्रदान करने के अपने वादे पर कायम है। अपने इसी वादे को और ज्यादा मजबूत करते हुए, इसुजु मोटर्स इंडिया की ओर से अपने इसुजु डी-मैक्स पिक-अप और एसयूवी रेंज के लिए देश भर में 'इसुजु आई- केयर प्री-मानसून कैंप' का आयोजन किया जाएगा। इस सर्विस कैंप का उद्देश्य ग्राहकों को आकर्षक फायदों के साथ-साथ रखरखाव के लिए एहतियाती जाँच की सुविधा उपलब्ध कराना है।

तहसील कार्यालय में किसके संरक्षण में हो रही डील ?

पर्दे के पीछे अधिकारियों की भूमिका पर उठे सवाल

निलेश चौहान : 94250-77209

देपालपुर • दैनिक इंदौर संकेत
तहसील कार्यालय में लाखों की डील के ऑडियो वीडियो वायरल होने के बाद कहीं बड़े सवाल खड़े हो गए, डील करने वाली एक महिला कर्मचारी आखिर किन-किन अधिकारियों से मिलीभगत कर राजस्व विभाग से काम करवाती है। इसका खुलासा होना अभी बाकी है। जमीन नामांतरण बटवारा नक्शा सुधार जैसे काम तो विभाग में बैठे बड़े अधिकारियों को ही करना होते हैं। सवाल यह है कि इस लाखों की डील में कौन-कौन अधिकारी शामिल है। इस पूरे घटनाक्रम ने तहसील कार्यालय पर हड़कंप मचा दिया जानकारी में आपको बता दें जमीन नामांतरण को लेकर एक महिला

तहसील कार्यालय में लेन-देन का हुआ ऑडियो वायरल
कार्यालय का कर्मचारी बाहर खड़े व्यक्ति को भुगतान करने के लिए कह रहे
जमीन के नामांतरण में हुए लेन-देन को लेकर कर्मचारी का वीडियो हुआ वायरल

कर्मचारी रुपयों का लिफाफा लेते स्पष्ट दिखाई दे रही है। इतना ही नहीं लिफाफा देने के बाद अगले बोर्ड में काम होने की गारंटी भी ली गई। दूसरी ऑडियो में महिला कर्मचारियों ने कार्यालय से कुछ ही दूरी पर किसी व्यक्ति को भुगतान करने के लिए कहा गौरतलब इस पूरे घटनाक्रम ने राजस्व विभाग तहसील कार्यालय की पोल खोल के रख दी। प्रशासनिक विभाग इस मामले में संज्ञान लेता है, तो कहीं बड़े खुलासे होने की आशंका है। लेकिन प्रशासनिक अधिकारी इस पूरे मामले में चुपी साधे बैठा है। सूत्र बताते हैं कि सालों से जमे कुछ कर्मचारी अधिकारियों से मिली भगत कर दलालों के माध्यम से जमीनों के काम निपटाते हैं इतना ही नहीं तहसील कार्यालय पर दलालों की भरमार है। दिनभर अधिकारियों के आगे पीछे घूमते ही रहते हैं देपालपुर में रिश्वत को लेकर पहले भी लोकायुक्त ने बड़ी कार्रवाई की थी सूत्र बताते हैं- कि एक बार फिर तहसील कार्यालय पर लोकायुक्त की नजर है जिस प्रकार से भ्रष्टाचार की खबरें प्रकाशित हो रही है कहीं ना कहीं शासन प्रशासन पर बड़े सवाल खड़े हो गए हैं।

सवाल

1 महिला कर्मचारी किसके संरक्षण में डील कर रही है।

2 कौन-कौन अधिकारी इस घटनाक्रम में शामिल है।

3 आर आई, पटवारी, तहसीलदार की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं।

प्रशासनिक विभाग अगर महिला कर्मचारी पर कार्रवाई करे तो कही बड़े खुलासे हो सकते कौन-कौन इस घटनाक्रम में शामिल है किसके संरक्षण में दलाली का काम चल रहा है क्योंकि यह तो केवल एक छोटी मछली है बड़े मगरमच्छ का हाथ लगना बहुत जरूरी है तभी जाकर विभाग की व्यवस्थाएं सुधरेगी समय पर काम होगा किसानों को चक्कर नहीं लगाना पड़ेंगे रिश्वत का अड्डा खत्म होगा अब देखना होगा इंदौर कलेक्टर शिवम वर्मा इस मामले में संज्ञान लेते हैं या नहीं।

जिंसी मार्ग पर गरजा बुलडोजर

विकास की राह में गिरे 40 से ज्यादा मकान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • शहर की बहुप्रतीक्षित मास्टर प्लान सड़कों के निर्माण को लेकर नगर निगम ने कार्रवाई तेज कर दी है। बारिश से पहले सड़क चौड़ीकरण परियोजनाओं को गति देने के लिए मंगलवार को जिंसी मार्ग पर बड़े पैमाने पर अतिक्रमण और बाधक निर्माण हटाने की कार्रवाई की गई। सुबह से शुरू हुए अभियान में दो घंटे के भीतर 40 से अधिक मकानों के बाधक हिस्सों को तोड़ दिया गया। इनमें कई ऐसे मकान भी शामिल थे जिनके मालिक पहले ही स्वयं निर्माण हटाने की प्रक्रिया शुरू कर चुके थे। सुबह कार्रवाई शुरू होने से पहले ही इलाके में तनाव और बेचैनी का माहौल था। कई परिवार रातभर जागकर अपने घरों से सामान निकालते रहे। कोई

अलमारी खोल रहा था, कोई बिस्तर समेट रहा था तो कोई दीवारों पर टंगी पुरानी तस्वीरें उतार रहा था। लोगों को मालूम था कि सुबह बुलडोजर आएगा और वर्षों से जिस घर में उन्होंने जिंदगी बिताई, उसका एक हिस्सा इतिहास बन जाएगा।

निगम का यह अभियान जिंसी चौराहे से नेमिनाथ जैन मंदिर तक चला अभियान। गौरतलब है कि पंद्रह दिन पहले लक्ष्मीबाई प्रतिमा से जिसी चौराहा तक भी इसी तरह बाधक निर्माण हटाए जा चुके हैं। अधिकारियों का कहना है कि सड़क चौड़ीकरण पूरा होने के बाद शहर के यातायात दबाव को कम करने में बड़ी मदद मिलेगी। वर्तमान में बड़ागणपति, रामबाग और आसपास के क्षेत्रों में जाने के लिए लोगों को अक्सर वीआईपी मार्ग का उपयोग करना पड़ता है, लेकिन जिंसी मार्ग विकसित होने के बाद यह एक वैकल्पिक और सुगम संपर्क मार्ग बन जाएगा।

किसी भी धर्मस्थल को नहीं तोड़ा गया-कार्रवाई के बीच धर्मस्थलों को लेकर भी चर्चाएं होती रहीं। नगर निगम के सहायक रिमूवल अधिकारी बबलू कल्याणे ने स्पष्ट किया कि किसी भी धर्मस्थल को नहीं तोड़ा गया है। उन्होंने बताया कि कार्रवाई से एक दिन पहले विभिन्न धर्मों के प्रतिनिधियों और प्रबुद्ध नागरिकों के साथ बैठक कर सहमति बनाई गई थी कि सड़क की जद में आने वाले हिस्सों को स्वेच्छा से हटाया जाएगा।

पंजाब से आए जत्थे का महू पहुंचने पर भारतीय जनता पार्टी इंदौर ग्रामीण द्वारा भव्य स्वागत

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • भारतीय जनता पार्टी पंजाब का दल डॉ. भीमराव अंबेडकर से संबंधित पंच तीर्थ स्थलों की यात्रा के लिए निकला हे उसी कड़ी में यह यात्रा महू बाबा साहब अम्बेडकर स्थल पहुंची..जहां यात्रा का स्वागत प्रदेश के केबिनेट मंत्री तुलसीराम सिलावट,भाजपा जिला अध्यक्ष श्रवण सिंह चावडा ने यात्रा का स्वागत किया। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को उन ऐतिहासिक स्थलों के दर्शन कराएगी, जिन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विकसित और संवारा गया है। भाजपा जिला अध्यक्ष श्रवण सिंह चावड़ा ने बताया कि 14 जून से 21 जून 2026 तक चलने वाली यह यात्रा बाबा साहेब डॉ. बी.आर. अंबेडकर के जीवन से जुड़े पांच प्रमुख तीर्थ स्थलों तक पहुंचेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने न केवल इन तीर्थ स्थलों को हजारों करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया है, बल्कि लोगों को इनके ऐतिहासिक एवं सामाजिक महत्व के प्रति जागरूक करने के लिए भी विशेष प्रयास किए हैं।

'श्री अरबिंदो समूह' में विश्व के अत्याधुनिक रोबोटिक सिस्टम 'मेडबॉट तोउमाई' से होंगी सर्जरी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • 'मेडबॉट तोउमाई' रोबोट्स का शुमार विश्व के सबसे आधुनिक सर्जिकल रोबोटिक सिस्टम्स में किया जाता है। इसकी 5जी टेली-सर्जरी क्षमता और मल्टी-आर्म फ्लेक्जिबिलिटी, वैश्विक स्तर पर इसे सबसे उपयुक्त सर्जिकल रोबोट बनाती है। 3 डी हाई-डेफिनेशन विजन के चलते इस सिस्टम में ऑपरेशन क्षेत्र बहुत गहराई से पूरी तरह साफ-साफ नजर आता है। इसीलिए 'मेडबॉट तोउमाई' द्वारा हजारों किलोमीटर दूर से भी बहुत सहजता से पूरी तरह सफल ऑपरेशन किए जा रहे हैं। मध्य भारत में इसे पहली बार मंगलवार को श्री अरबिंदो समूह के 'मोहक बैरियाट्रिक्स एंड रोबोटिक्स सुपरस्पेशिलिटी हॉस्पिटल' में इंस्टाल किया गया। इससे यहाँ के मरीजों को विश्व की श्रेष्ठतम रोबोटिक सिस्टम की सुविधाएं मिलनी शुरू हो गई हैं।

किसानों के खसरे का केवायसी अपडेट नहीं होने से हजारों प्रकरण झमेले में

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर • प्रदेश के इंदौर सहित अनेक जिलों में राजस्व विभाग के अधिकारियों, तहसीलदार, नायब तहसीलदार एवं पटवारियों की निष्क्रियता अथवा लापरवाही के चलते अभी तक लाखों किसानों की जमीनों के दस्तावेज आधार कार्ड से नहीं जुड़ पाए हैं बल्कि ऐसे किसानों के राजस्व एवं बैंक खाते भी केवायसी अपडेट नहीं हो सके हैं।

फलस्वरूप इन किसानों के शासकीय विभागों और बैंकों से सम्बन्धित सभी तरह के काम ठप पड़े हुए हैं। किसानों के हित की बात करने वाली प्रदेश की सरकार और उनका राजस्व विभाग पिछले कई महीनों से पटवारियों को घर-घर जाकर करना था दस्तावेजों का सत्यापन लेकिन इंदौर सहित कई जिलों में लापरवाही कुंभकरणीय नींद ले रहा है। राज्य के अनेक जिलों से इस आशय की शिकायतें मिल रही हैं कि उनके जिलों में सैकड़ों प्रकरण ऐसे हैं जिनमे पटवारी स्तर पर केवायसी अपडेट करने का काम या तो बिलकुल ही नही हुआ है या पटवारियों ने बिना उनके घर पहुंचे मनमाने ढंग से भ्रामक जानकारियां भरकर किसानों को गुमराह कर रखा है। केवायसी अर्थात नो योर कस्टमर की अनिवार्यता के लिए राज्य सरकार के राजस्व विभाग ने पटवारियों को घर-घर जाकर केवायसी अपडेट करने के निर्देश दिए थे, लेकिन पटवारियों से लेकर राजस्व विभाग के तमाम अधिकारियों ने इस गंभीर मामले को भी अपनी अकर्मण्यता से ठंडे बस्ते में पटक रखा है जिससे सैकड़ों नहीं हजारों किसानों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बिचौली, सांवेर एवं अन्य तहसीलों में अनेक हलकों में पटवारियों की लापरवाही से किसानों को तहसील एवं कलेक्टर कार्यालय के चक्कर लगाने के बावजूद कोई सुनवाई नहीं हो रही है।

किसानों के हक की लड़ाई: 'पहली लाठी मैं खाऊंगा', विपिन वानखेड़े ने प्रशासन को दी दो-टूक चेतावनी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • बड़लाई सहकारी शक्कर कारखाना किसान संघर्ष समिति के आयोजन में किसानों के आंदोलन को आज कांग्रेस ने और अधिक धारदार बना दिया है। कांग्रेस जिला अध्यक्ष विपिन वानखेड़े ने आंदोलनकारी किसानों के बीच पहुंचकर अपना पूर्ण समर्थन व्यक्त किया और जिला प्रशासन को आर-पार के संकेत दिए। वानखेड़े ने प्रशासन के दमनकारी रवैये पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा, 'अगर किसानों के हक के लिए लाठी चली, तो प्रशासन को याद रखना चाहिए कि सबसे पहली लाठी मैं खाऊंगा। वहीं मौके पर प्रशासन की ओर से ज्ञापन लेने आए तहसीलदार ने किसानों से कुछ अनुचित व्यवहार किया जिसपर वानखेड़े ने तुरंत तहसीलदार को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा की, मर्यादा में रहें और किसानों के साथ शालीनता से पेश आएं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु कल पहुंचेंगी ओंकारेश्वर

इंदौर-इच्छापुर मार्ग पर 3 दिन तक भारी वाहन नहीं चलेंगे, यातायात व्यवस्था परिवर्तित रहेगी

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू गुरुवार 18 जून को ओंकारेश्वर आएंगी। इस कार्यक्रम को ध्यान में रखते हुए ओंकारेश्वर में 17 से 19 जून को दोपहर 12 बजे तक यातायात व्यवस्था परिवर्तित रहेगी। इंदौर-इंच्छापुर राजमार्ग पर भारी वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित रहेगा। इसके कारण इस मार्ग पर भारी वाहन सीधे खंडवा की ओर नहीं जा सकेंगे। इंदौर से खंडवा जाने वाले भारी वाहनों को तेजाजी नगर से महु, मानपुर, धामनोद, खरगोन होते हुए भीकनगांव, देशगांव के रास्ते जाना होगा।

ओंकारेश्वर में यह रहेगी व्यवस्था-इंदौर की ओर से ओंकारेश्वर की तरफ आने वाले

श्रद्धालुओं के छोटे और मध्यम वाहन बडवाह, मोरटक्का, सनावद और इनपुन होते हुए ट्रेंचिंग ग्राउंड और ताम्रकर पार्किंग में पार्क कराए जाएंगे। यहां से श्रद्धालुओं को स्नान के लिए पैदल ही जाना होगा।

यहां होगी पार्किंग-खंडवा और इंदौर की ओर से आने वाली श्रद्धालुओं की बसें मोरटक्का में खडी रहेंगी। मोरटक्का से श्रद्धालुओं को जिला प्रशासन द्वारा लोक परिवहन के माध्यम से ओंकारेश्वर तक पहुंचाया जाएगा। वहीं खंडवा और इंदौर की ओर से आने वाली बसों को सनावद इनपुन होते हुए पी-1 तक भेजा जाएगा। इसके आगे पैदल मार्ग रहेगा।

डेंटल कॉलेज की प्राचार्य डॉ. अलका गुप्ता के निधन पर उप मुख्यमंत्री ने किया शोक व्यक्त

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने शासकीय दंत चिकित्सा महाविद्यालय, इंदौर की प्राचार्य डॉ. अलका गुप्ता के असामयिक निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि डॉ. अलका गुप्ता का निधन दंत चिकित्सा शिक्षा जगत एवं प्रदेश के लिए अपूरणीय क्षति है। अपने कार्यकाल में उन्होंने महाविद्यालय के विकास, आधारभूत संरचना के विस्तार, नवीन भवन निर्माण एवं शैक्षणिक सुविधाओं के उन्नयन में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

शिक्षक कांग्रेस द्वारा टीईटी आदेश के विरोध में जिलाधीश कार्यालय पर सौंपा ज्ञापन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • सर्वोच्च न्यायालय के टेट परीक्षा संबंधी निर्णय के लिए संसद में शिक्षा के अधिकार अधिनियम 2017 अध्यादेश को निरस्त कर शिक्षकों को टेट परीक्षा से मुक्त करे। शिक्षक कांग्रेस इंदौर। म.प्र.शिक्षक कांग्रेस के प्रांतीय अध्यक्ष नवनीत चतुर्वेदी, कार्यकारी प्रांतीय अध्यक्ष आलोक परमार, प्रमुख महामंत्री किशन रजक एवं प्रांतीय महामंत्री अनिल नामदेव द्वारा संयुक्त रूप से प्रांतीय आव्हान कर जिला स्तर पर प्रधानमंत्री को ज्ञापन देने के निर्देश पर शिक्षक कांग्रेस इंदौर एवं शिक्षक-अध्यापक संयुक्त मोर्चा द्वारा टीईटी कि शिक्षक पात्रता परीक्षा के विरोध में जिलाधीश महोदय को माननीय प्रधामंत्री के नाम ज्ञापन दिया।

महावीर नगर में दूषित जल पीने से 10 से अधिक बीमार

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • भागीरथपुरा दूषित पेयजल कांड की भयावह घटना को अभी छह माह भी नहीं बीते हैं कि शहर में दूषित पानी की सप्लाई का एक और मामला सामने आ गया है। वार्ड 16 बांगड़दा क्षेत्र के अहिल्या नगर, जो महावीर नगर क्षेत्र में आता है में सार्वजनिक बोरिंग के पानी में ड्रेनेज का पानी मिल जाने से एक गली के 10 से अधिक लोग उल्टी-दस्त की चपेट में आ गए। प्रभावितों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। स्थानीय

रहवासियों के अनुसार पिछले दो-तीन दिनों से बोरिंग के पानी से तेज बदबू आ रही थी। हालांकि शुरुआत में लोगों ने इसे सामान्य समस्या समझकर नजरअंदाज कर दिया, लेकिन जब एक के बाद एक परिवार के सदस्य बीमार होने लगे तो लोगों ने इसकी शिकायत जनप्रतिनिधियों और प्रशासन से की। रहवासियों का आरोप है कि समय रहते कार्रवाई नहीं होने के कारण स्थिति बिगड़ी।

मौके पर पहुंचे निगम अधिकारी और एनजीओ टीम-मंगलवार को मामले की जानकारी मिलने के बाद नगर निगम की टीम मौके पर पहुंची। अधिकारियों ने दूषित बोरिंग का निरीक्षण कर पानी के नमूने लिए और यह जांच शुरू की कि ड्रेनेज का पानी किस यांत से बोरिंग में पहुंचा। निगम ने एहतियात के तौर पर आसपास की ड्रेनेज लाइनों की जांच और सफाई अभियान भी शुरू कर दिया है। महावीर नगर सहित बांगड़दा क्षेत्र के कई हिस्सों में अब तक नर्मदा जल परियोजना की पाइपलाइन नहीं पहुंची है। ऐसे में बड़ी संख्या में रहवासी पेयजल और घरेलू उपयोग के लिए बोरिंग के पानी पर निर्भर है।

नन्हे कदमों ने रखा शिक्षा की दुनिया में पहला कदम

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर • नर्सरी के विद्यार्थियों के लिए विद्यालय का प्रथम दिवस उत्साह, जिज्ञासा और खुशियों से भरपूर रहा। नन्हे बच्चे अपने नए विद्यालय को देखने, शिक्षकों से मिलने और नई दुनिया को जानने के लिए बड़े उत्साह के साथ विद्यालय पहुँचे। विद्यालय परिसर को रंग-बिरंगी सजावट, आकर्षक शिक्षण सामग्री एवं खिलौनों से सुंदर रूप से सजाया गया था। प्री-प्राइमरी विभाग के शिक्षकों ने मधुर संगीत और आत्मीय वातावरण के साथ बच्चों का स्वागत किया, जिससे वे स्वयं को परिवार का हिस्सा महसूस कर सकें। शिक्षकों ने बच्चों को विभिन्न मनोरंजक गतिविधियों में सम्मिलित किया। बच्चों ने खिलौनों के साथ खेला, संगीत पर नृत्य किया तथा खेल मैदान में टॉय राइड्स का आनंद लिया। प्री-प्राइमरी स्टाफ द्वारा विशेष रूप से तैयार किए गए हस्तनिर्मित क्राफ्ट आइटम एवं सुंदर बुकमार्क नवप्रवेशी विद्यार्थियों को उपहार स्वरूप भेंट किए गए।

सांध्य दैनिक
इंदौर संकेत
इंदौर, बुधवार 17 जून 2026

न्यूज ब्रीफ

प्रदेशभर के 20 से अधिक उद्यमियों का किया सम्मान

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● सिल्क माइका लैमिनेट के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सम्मान समारोह में प्रदेशभर से आए 20 से अधिक उद्यमियों को सम्मानित किया । यह सम्मान समारोह रेड माइक कंपनी के डायरेक्टर धीरज गोयल, जेनम अग्रवाल ओर कृष्ण टिंबर मार्ट के डायरेक्टर विपुल पटेल, प्रेमल पटेल एवं मनीष पुरी द्वारा शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इस अवसर पर सिल्क माइका लैमिनेट के नए कैटलॉग का भी विधिवत लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम में इंदौर सहित मध्यप्रदेश के विभिन्न शहरों से पहुंचे उद्यमियों को सम्मान-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य उद्योग जगत में उल्लेखनीय योगदान देने वाले उद्यमियों का उत्साहवर्धन करना था। समारोह में उद्योग जगत से जुड़े अनेक गणमान्य अतिथि और व्यवसायी उपस्थित रहे। वक्ताओं ने उद्यमिता को प्रदेश के आर्थिक विकास की आधारशिला बताते हुए नवाचार और गुणवत्ता को बढ़ावा देने पर जोर दिया। आयोजन के दौरान उद्यमियों ने आपसी अनुभव साझा किए और व्यापारिक संभावनाओं पर भी चर्चा की। कार्यक्रम का समापन आभार प्रदर्शन के साथ हुआ।

अंतिम छोर पर खड़े बंधुओं की मदद से बड़ा कोई पुण्यकार्य नहीं

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● अग्रवाल समाज ने हमेशा सेवा कार्यों को प्राथमिकता दी है। समाज के अंतिम छोर पर खड़े बंधुओं की मदद करने से बड़ा कोई पुण्यकार्य नहीं हो सकता। कुलदेवी महालक्ष्मी और बुद्धि की देवी सरस्वती का समन्वय यदि कहीं देखना हो तो अग्रवाल समाज को देखें, जहाँ कारोबार और राष्ट्र सेवा से लेकर समाजसेवा के प्रकल्प निरंतर चलते रहते हैं। राष्ट्र पर आने वाली किसी भी तरह की आपदा में भी अग्रवाल बंधुओं के हाथ हमेशा खुले रहते हैं। श्री अग्रसेन महासभा ने अपने नवाचार में इस बार देश के 81 बुजुर्गों का सामूहिक अमृत महोत्सव आयोजित कर अन्य समाजों के लिए भी अनुकरणीय और वन्दनीय मिसाल प्रस्तुत की है। समाज के बुजुर्गों का अनुभव और तरुणाई की ऊर्जा से ही समाज और राष्ट्र का विकास संभव है। ये प्रेरक विचार हैं देशभर से आए अतिथियों के, जो उन्होंने मंगलवार शाम को राजीव गाँधी चौराहा स्थित होटल सौलारिस पर श्री अग्रसेन महासभा की मेजबानी में आयोजित 81 वर्ष से अधिक आयु वाले 5 राज्यों के 81 वरिष्ठजनों के सामूहिक अमृत महोत्सव के दौरान महासभा के संस्थापक सदस्य एवं पूर्व अध्यक्ष मोहनलाल बंसल के अभिनन्दन समारोह में व्यक्त किए।

इस बार महारानी लक्ष्मीबाई का बलिदान दिवस कल - औपचारिक रूप से मनेगा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● संस्था यंग इंडिया क्लब की ओर से झाँसी की रानी महारानी लक्ष्मीबाई के बलिदान दिवस 18 जून को प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला समारोह इस बार नगर निगम द्वारा जिंसी चौराहा से किला मैदान तक की जा रही तोड़फोड़ के कारण महज औपचारिक बनकर रह जाएगा। यंग इंडिया क्लब के अध्यक्ष श्याम अग्रवाल ने बताया कि किला मैदान स्थित झाँसी की रानी के प्रतिमा स्थल पर गुरुवार को प्रातः 9.30 बजे माल्यार्पण का कार्यक्रम रखा गया है जबकि प्रतिवर्ष होने वाले मानव श्रृंखला, देशभक्ति के तरानों, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों एवं विभिन्न क्षेत्रों में काम करने वाले राष्ट्रप्रेमी बंधुओं का सम्मान समारोह इस बार नहीं होगा। अग्रवाल ने क्लब से जुड़े सभी साथियों से 18 जून को सुबह महारानी लक्ष्मीबाई के प्रतिमा स्थल आकर उन्हें श्रद्धा सुमन समर्पित करने का आग्रह किया है।

मेक इन इंडिया सोलर पैनल पर ही मिलेगी सब्सिडी

3 किलोवॉट के स्वदेशी पैनल पर 30 हजार तक अधिक खर्च

भोपाल (एजेंसी) ● घर की छत पर सोलर पैनल लगवाने की योजना बना रहे लोगों के लिए मप्र में नियम बदल गए हैं। अब प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत सब्सिडी का लाभ केवल डीसीआर (डोमेस्टिक कंटेंट रिक्वायरमेंट) यानी भारत में निर्मित सोलर पैनल लगाने पर ही मिलेगा। विदेशों में बने या नॉन-डीसीआर पैनल लगाने वाले उपभोक्ता केंद्रीय सब्सिडी के पात्र नहीं होंगे। इसके साथ ही मध्यप्रदेश विद्युत नियामक आयोग ने रूफटॉप सोलर उपभोक्ताओं से लिए जाने वाले प्रोसेसिंग, मीटर टेस्टिंग, तकनीकी निरीक्षण समेत करीब 4 हजार रुपए तक का शुल्क समाप्त कर दिया है। मंगलवार को आयोग में इस संबंध में सुनवाई हुई।

सब्सिडी से महंगा पैनल भी पड़ सकता है सस्ता

ऊर्जा विकास निगम के रिटायर्ड चीफ इंजीनियर भुवनेश कुमार पटेल के अनुसार डीसीआर यानी देश में निर्मित सोलर पैनल लगाने पर 30 हजार से 78 हजार रुपए तक की सब्सिडी मिल सकती है। ऐसे में शुरुआती लागत अधिक होने के बावजूद यह विकल्प लंबे समय में फायदेमंद साबित हो सकता है। हर महीने 400 यूनिट तक बिजली उत्पादन... 3 किलोवॉट सिस्टम सामान्य परिवार के लिए पर्याप्त माना जाता है। इससे हर महीने 350 से 450 यूनिट बिजली उत्पादन संभव है। केंद्र सरकार से अधिकतम 78 हजार रुपए तक सब्सिडी मिल सकती है। शुल्क समाप्त होने के बाद 4 हजार रुपए की अतिरिक्त बचत भी होगी। कुछ लोगों ने आयोग के समक्ष सोलर उपभोक्ताओं पर लगाए जाने वाले फिक्स चार्ज को समाप्त करने और ग्रिड में भेजी जाने वाली अतिरिक्त बिजली की खरीद दर 2.15 रुपए प्रति यूनिट से बढ़ाकर कम से कम 4 रुपए प्रति यूनिट करने की मांग रखी।

न्याय की देवी मां अहिल्या की नगरी में अन्याय हो रहा - वर्मा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री सज्जन सिंह वर्मा ने इंदौर में सड़क चौड़ीकरण की मुहिम को लेकर सरकार पर अन्याय करने का आरोप लगाया है वर्मा ने कहा सोशल मीडिया पर अपनी टिप्पणी में कहा कि न्याय की देवी पुण्यश्लोक अहिल्या बाई होल्कर ने इंदौर में न्यायपूर्ण शासन की नींव रखी थी। आज उन्हीं की नगरी के लोगों के साथ सरकार अन्याय कर रही है। उन्होंने आगे लिखा कि बाप दादाओं ने मेहनत कर अपने परिवार का आशियाना बनाया था, जिसे अन्यायी सरकार

ने अतिक्रमण का नाम दे दिया। शहर हित में काम होना चाहिए लेकिन पीड़ितों को उचित मुआवजा देकर। उज्जैन में मुआवजा दिया लेकिन इंदौर में क्यों नहीं। मुख्यमंत्री मोहन यादव से प्रश्न करते हुए वर्मा ने पूछा कि अहिल्या नगरी के लोगों ने ऐसा क्या गुनाह किया है।

बीसपंथी मंदिर में चातुर्मास करने हेतु मुनि श्री साध्यसागर जी महाराज को श्रीफल भेंट कर निवेदन करेंगे

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● बीसपंथी मंदिर, मल्हारगंज से श्रमण संस्कृति के महामहिम आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज केआज्ञानुव्रती शिष्य परम पूज्य मुनि श्री साध्यसागर जी महाराज को 2026 का चातुर्मास इंदौर में बीसपथी मंदिर मे हो हेतु श्रीफल समर्पित करने के लिए इंदौर से गुरु भक्तों की टोली शनिवार को सुबह मंदिर से बस रवाना होगी। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि भोपाल एवं सीहोर के मध्य जहां भी मुनिश्री विराजमान होंगे, वहां पहुंचकर चातुर्मास हेतु श्रीफल अर्पित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का अशोकनगर पुलिस को निर्देश

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि जैन मुनियों पर आपत्तिजनक टिप्पणी बर्दाश्त नहीं, कठोर कार्रवाई हो' राष्ट्रीय जिन शासन एकता संघ, विश्व जैन संगठन एवं धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि अशोक नगर जैन समाज द्वारा शिकायत पर पूर्व डीएसपी रेखा जैन के खिलाफ कार्रवाई के आदेश, जैन समाज ने रवीन्द्र जैन पत्रकार के नेतृत्व मैं समाज एक प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री से मुलाकात कर वस्तु स्थिति से अवगत कराया और दोषीयो को सख्त सज़ा दिए जाने का अनुरोध किया गया। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि धार्मिक संतों का अपमान करने वालों के लिए मध्यप्रदेश में कोई स्थान नहीं। दद्दू ने बताया कि मुख्यमंत्री ने अशोकनगर पुलिस अधीक्षक को निर्देश दिए हैं कि जैन मुनियों के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में पूर्व डीएसपी रेखा जैन एवं अन्य दोषियों के विरुद्ध सख़्त कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। मुख्यमंत्री ने अपने आदेश में कहा किट्ठ 'मेरे राज में धार्मिक व्यक्तित्व के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने वालों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मोहर्रम का चांद दिखाई देने के साथ ही प्रोग्राम शुरू हो गए। रात में चौकी धोई गई। सरकारी ताज़िया इमामबाड़े से जुलूस निकला और राजवाड़ा गार्डन में दुआ हुई। सरकारी ताज़िया कमेटी के सदर हाजी इल्यास कुरेशी ने बताया कि शहर काजी डॉ मोहम्मद इशरत अली के साथ ही इकबाल भाई हैदरबाद, शब्बीर हुसैन, सरफराज भाई, शफीकुर्रहमान आदि ने मौजूद थे।

सबसे पहले मप्र हुआ नक्सलमुक्त, प्रधानमंत्री मोदी ने की प्रशंसा - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पूरे देश में सबसे पहले मध्यप्रदेश ने ही नक्सलवाद को समाप्त किया है। लाल सलाम को आखिरी सलाम करने में मध्यप्रदेश ने बाजी मारी है। प्रधानमंत्री मोदी ने 11 जून को नई दिल्ली में हुई नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की 11वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए मध्यप्रदेश सरकार के विकास के हर मामले में सदैव अग्रणी रहने की क्रियाशीलता की सराहना की। इस वर्ष बैठक का विषय 'विकसित भारत @2047 के लिये समावेशी मानव विकास' था। पहली बार सभी 28 राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने नीति आयोग की शासी परिषद् की बैठक में भाग लिया।

उन्होंने बताया कि गवर्निंग काउंसिल की बैठक में विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए केंद्र और राज्यों की साझी भागीदारी, समन्वित प्रयासों तथा विकास के विभिन्न आयामों पर व्यापक और सार्थक चर्चा हुई। देश के जो क्षेत्र नक्सलवाद से प्रभावित थे, वहां विकास की गति तेज करने पर चर्चा हुई। भविष्य में युवाओं के विकास पर सरकार का विशेष रूप से जोर रहेगा। प्रधानमंत्री श्री मोदी को मध्यप्रदेश आयुष्मान योजना, नदी जोड़ो परियोजनाओं के क्रियान्वयन, पीएम मित्र पार्क निर्माण सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों से भी अवगत कराया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को मंत्रालय में मंत्रि-परिषद् की बैठक से पहले मंत्रीगण से अनौपचारिक चर्चा कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने मंत्रीगण को बीते सप्ताह मप्र सरकार को विभिन्न क्षेत्रों में मिली विशेष उपलब्धियों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी ने राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश में हो रहे उच्च कोटि के कामों की भी प्रशंसा की है।

डिफेंस मन्युफेक्चरिंग में आत्मनिर्भरता नारा नहीं बल्कि एक मिशन है- संभागायुक्त

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े की अध्यक्षता में मंगलवार को मध्यप्रदेश इंडस्ट्रीयल डेव्हलपमेंट कॉर्पोरेशन एवं डिपार्टमेंट ऑफ डिफेंस प्रोडक्शन के संयुक्त प्रयासों से डिफेंस मन्युफेक्चरिंग आत्म निर्भरता विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में एमपीआईडीसी के कार्यकारी संचालक हिमांशु प्रजापति, एयर मॉर्शल विभास पाण्डे, मेजर जनरल एस.के. श्रीवास्तव, कर्नल राकेश सिसोदिया एवं इण्डो जर्मन टूल रूम के मैनेजर अनिल, डॉ. डीवी रोटेला उपस्थित थे। जनरल डिपार्टमेंट ऑफ डिफेंस प्रोडक्शन के डेप्यूटी डायरेक्टर अनिल राय वर्चुअली जुड़े। कार्यशाला में एम.एस.एम.ई., स्टार्टअप, शिक्षा संस्थान, रिसर्च इंस्टीटयूट, औद्योगिक संगठन आदि के 100 से अधिक प्रतिनिधि उपस्थित थे। इस कार्यशाला में रक्षा मंत्रालय के कार्यक्रम में स्टेज-3 लेवल का कन्सलटेशन प्रोग्राम है, जिसमें मध्यप्रदेश को 'को-लीड स्टेट' चुना गया है।

कार्यशाला में संभागायुक्त डॉ. सुदाम खाड़े ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का यह प्रयास है कि भारत रक्षा उत्पादों में आत्मनिर्भरता को प्राप्त करें। वर्तमान परिदृश्य में यह अतिआवश्यक भी हो जाता है। उन्होंने कहा कि कार्यशाला में उपस्थित सभी को जानना आवश्यक है कि किस प्रकार स्वदेशी निर्माताओं की भूमिका रक्षा उत्पाद में बढ़ाई जा सके। जिला स्तर से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक इको सिस्टम एवं सुविधाएं जिसमें कि शासकीय अनुदान भी शामिल है, वो यहां उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि इस इको सिस्टम का उपयोग रक्षा उत्पादों के विनिर्माण हेतु किस प्रकार किया जा सकता है, यह जरूरी है। भारत में निर्मित हर उत्पाद ग्लोबल स्टैंडर्ड का होना अत्यन्त आवश्यक है तभी उनका उपयोग किया जा सकता है। डॉ. सुदाम खाड़े ने कहा कि कार्यशाला में शामिल सभी प्रतिनिधियों द्वारा प्राप्त सुझावों को संबंधित अधिकारियों तक पहुंचाया जायेगा जिससे इस संबंध में आवश्यक कार्यवाही हो सके।

नाबार्ड एवं एनएसएफडीसी के सहयोग से 75 दिवसीय सीएनसी मिलिंग कौशल विकास प्रशिक्षण का सफल समापन

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● युवाओं को तकनीकी कौशल प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर एवं रोजगारपरक बनाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक द्वारा प्रायोजित 75 दिवसीय 'सीएनसी मिलिंग (असिस्टेंट ऑपरेटर)' कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का इंडो जर्मन टूल रूम, इंदौर में सफलतापूर्वक समापन हुआ। यह कार्यक्रम नाबार्ड द्वारा राष्ट्रीय अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम को स्वीकृत किया गया था, जिसे आगे इंडो जर्मन टूल रूम इंदौर को संचालन हेतु स्वीकृत किया गया। इस अवसर पर इंडो जर्मन टूल रूम परिसर में समापन समारोह गत दिवस को आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवाओं को आधुनिक औद्योगिक तकनीकों से जोड़ना और उन्हें बेहतर रोजगार के अवसरों के लिए तैयार करना था। इस 75 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में 25 युवाओं ने सीएनसी मिलिंग मशीन संचालन, तकनीकी ज्ञान एवं औद्योगिक कार्यप्रणाली का प्रशिक्षण सफलतापूर्वक प्राप्त किया।

समापन समारोह में अतिथि के रूप में नाबार्ड की महाप्रबंधक रतिकान्त जेना, आईजीटीआर महाप्रबंधक डी. वी. रौतेला, एवं नाबार्ड इंदौर के जिला विकास प्रबंधक सुहास पत्रे उपस्थित रहे। इसके साथ ही इंडो जर्मन टूल रूम के प्रशिक्षण विभाग प्रमुख विनीत कुमार गर्ग, एन एस बीघा, दीर्घकालीन पाठ्यक्रम प्रभारी, शैलेन्द्र खरकाटे, इंजीनियर एवं पाठ्यक्रम समन्वयक डी. पी. महतो भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वीसी से की नीट परीक्षा की तैयारियों की समीक्षा

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि नीट राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा है। इसके लिए सभी तैयारियां समय से पहले पूरी कर ली जाएं। बेहतर प्रबंधन एवं कार्य कुशलता से पूरी पारदर्शिता के साथ यह परीक्षा सम्पन्न करायें। उन्होंने कहा कि परीक्षा आयोजन में किसी भी स्तर पर किसी भी प्रकार की कमी या त्रुटि न रहे। परीक्षा कराने में संलग्न सभी अधिकारी-कर्मचारी पूरी मुस्तैदी से अपने कर्तव्यों का पालन करें। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को मंत्रालय में नीट (अंडर ग्रेजुएट) परीक्षा-2026 की आगामी रविवार (21 जून) को होने वाली परीक्षा की तैयारियों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से समीक्षा की। यह परीक्षा प्रदेश के 30 जिलों के 283 परीक्षा केंद्रों में सम्पन्न कराई जाएगी। नीट परीक्षा की कुल अवधि 'सवा तीन घंटे' की होगी। इस बार सभी परीक्षार्थियों को 15 मिनट का अतिरिक्त समय दिया जाएगा।

एक करोड़ की जमीन वृद्धाश्रम को देने की इच्छा जताई

दैनिक इंदौर संकेत

देवास ● बुजुर्ग दंपती ने अपने बेटों पर जमीन के लिए प्रताड़ित करने का आरोप लगाते हुए प्रशासन से मदद की गुहार लगाई है। 76 वर्षीय जीवनसिंह और लीलाबाई ने मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर बताया कि उनके बेटे करोड़ों रुपए की जमीन अपने नाम करवाने के लिए उन पर दबाव बना रहे हैं और मारपीट भी करते हैं। लीलाबाई ने अपनी पीड़ा बताते हुए कहा कि उन्होंने आरोप लगाया कि उनके बेटे और बहुएं उन्हें मारते-पीटते हैं और घर से बाहर निकाल दिया है। लीलाबाई ने भावुक होकर कहा कि उन्हें अब वृद्धाश्रम ही सहारा है। लीलाबाई के नाम करीब चार बीघा जमीन दर्ज है, जिसकी कीमत लगभग एक करोड़ रुपए है। उनके बेटे इस जमीन को अपने नाम करवाना चाहते हैं। बेटों की प्रताड़ना से तंग आकर दंपती ने अब यह जमीन बेटों के नाम न करके किसी वृद्धाश्रम को दान करने की इच्छा जताई है।

सांध्य दैनिक इंदौर संकेत

आपकी बात, इंदौर संकेत के साथ

डिजिटल रूप से लाखों पाठकों के साथ अपना नियमित संपर्क बनाते हुए दैनिक इंदौर संकेत अब एक नई ऊंचाइयों को छू रहा है। आप भी अपने संस्थान, उत्पाद, संस्था का प्रचार-प्रसार दैनिक इंदौर संकेत के माध्यम से सकते हैं। इसके तहत आप चाहे प्रापर्टी व्यवसाय से जुड़े हैं या कोई बधाई संदेश देना है या जन्मदिन की शुभकामनाएं हो या कोई अन्य कैटेगरी में विज्ञापन देना चाहते हैं तो न्यूनतम दर पर प्रकाशित करने के लिए संपर्क कर सकते हैं। दैनिक इंदौर संकेत संवेदनापूर्ण संदेशों को लेकर अत्यंत संवेदनशील है। इसीलिए इस समाचार पत्र में शोक संदेश नि:शुल्क प्रकाशित किए जाएंगे।

कार्यालय का पता
5/6, राज मोहल्ला, महेश नगर,
गुरुद्वारे के सामने, इंदौर
संपर्क: 94250-64357, 94245-83000

सम्पादकीय

अमेरिकी दबाव के बीच भारत का नया दांव, फ्रांस और स्लोवाकिया से मजबूत होगी रणनीतिक साझेदारी

इसमें दोराय नहीं कि अमेरिका की ओर से जिस तरह के मनमाने फैसले दूसरे देशों पर थोपे जा रहे हैं, उससे वैश्विक अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक असर पड़ रहा है। अमेरिका की शुल्क नीति से भारत जैसे विकासशील देश सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। अमेरिका की ओर से शुल्क लगाए जाने और उसके बाद पश्चिम एशिया में संघर्ष से उपजे संकट के बीच विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के नए विकल्प तलाशने तथा पहले से स्थापित साझेदारी को विस्तार देने को लेकर भारत के प्रयास सही दिशा में आगे बढ़ते नजर आ रहे हैं। इस क्रम में अब भारत, फ्रांस और स्लोवाकिया के बीच आपसी संबंधों को व्यापक साझेदारी के स्तर पर ले जाने की सहमति बनी है। फ्रांस के साथ द्विपक्षीय व्यापार को पांच वर्षों में दोगुना कर 32 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके अलावा रेल सेवा क्षेत्र में सहयोग के लिए एक घोषणा-पत्र और गोपनीय डेटा की सुरक्षा के लिए समझौते को भी अंतिम रूप दिया गया है। इसी तरह स्लोवाकिया से द्विपक्षीय व्यापार और रक्षा सहयोग समेत कई महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों में साझेदारी के लिए ग्यारह समझौते किए गए हैं। ये समझौते इसलिए अहम माने जा रहे हैं, क्योंकि इससे अमेरिका के विकल्प के रूप में भारत की पहुंच अन्य विदेशी बाजारों तक बढ़ेगी। साथ ही इससे 'मेक इन इंडिया' अभियान को भी गति मिलेगी, जो देश के आत्मनिर्भर होने के लिए बेहद जरूरी है। गौरतलब है कि अमेरिका ने पिछले वर्ष भारत पर पचास फीसद शुल्क लगाया था, जिसका सीधा असर देश के निर्यात पर पड़ा था। हालांकि, बाद में अमेरिका ने इस शुल्क को कम कर दिया था, लेकिन भारत ने इसे एक सबक की तरह लिया और अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए दुनिया के दूसरे बाजारों तक पहुंच बढ़ाने के प्रयास शुरू किए। ब्रिटेन और यूरोपीय संघ के साथ मुक्त व्यापार समझौते इन्हीं प्रयासों का नतीजा हैं। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांस और स्लोवाकिया दौरे के दौरान इस मुहिम को आगे बढ़ाते हुए दोनों देशों के साथ साझेदारी को विस्तार देने का प्रयास किया है। फ्रांस के साथ तेरह मुद्दों पर सहमति बनी है, जिनमें रक्षा, सुरक्षा, अंतरिक्ष, असैन्य परमाणु ऊर्जा, व्यापार एवं निवेश, तकनीक, नवाचार और शिक्षा के क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग शामिल हैं।

पत्तियाँ काटने से नहीं, जड़ों को काटकर ही सुधरेगी परीक्षा व्यवस्था

भारत की परीक्षा-व्यवस्था एक बार फिर उस मोड़ पर है जहाँ प्रश्न केवल नकल या लीक का नहीं, बल्कि भरोसे की बुनियाद के दरकने का है। नीट-यूजी री-एग्जाम से ठीक पहले टेलीग्राम पर अस्थायी प्रतिबंध ने इस बहस को और तीखा बना दिया है। यह कदम नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) की सिफारिश पर सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 69 के तहत उठाया गया है। इसके तहत 22 जून तक टेलीग्राम की एक्सेस बंद रहेगी और मैसेज एडिटिंग फीचर 30 जून तक निष्क्रिय रहेगा। एक ओर इसे परीक्षा सुरक्षा की तात्कालिक ढाल माना जा रहा है, वहीं दूसरी ओर इसे डिजिटल स्वतंत्रता पर असंतुलित हस्तक्षेप के रूप में देखा जा रहा है। सवाल यह है कि क्या यह अस्थायी बैन परीक्षा सुधार की दिशा में एक ठोस जीत है या फिर जड़ों को छोड़कर पत्तियों को काटने की पुरानी आदत?

● री-एग्जाम, री-लीक, री-बैन: विश्वासघात का अंतहीन चक्रव्यूह

● डिजिटल स्वतंत्रता की बलि चढ़ाकर क्या हम परीक्षा की पवित्रता बचा पाएंगे?

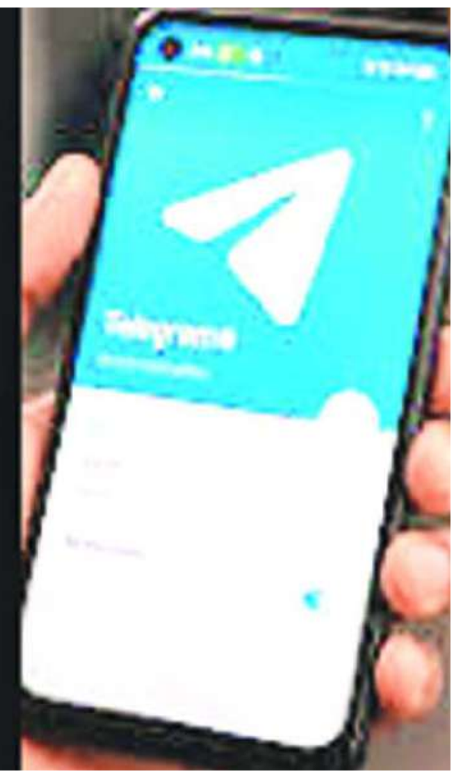

नीट-यूजी परीक्षा लीक का दर्द नया नहीं है। मई 2026 में नीट-यूजी परीक्षा (3 मई को आयोजित) रद्द करनी पड़ी क्योंकि राजस्थान (विशेषकर सीकर-जयपुर क्षेत्र) में गेस पेपर सर्कुलेशन और कथित पेपर लिक के आरोपों ने परीक्षा की निष्पक्षता पर सवाल खड़े कर दिए थे। इससे लगभग 22-23 लाख छात्र प्रभावित हुए। कुछ छात्रों की आत्महत्याओं ने इस त्रासदी को प्रशासनिक विफलता से आगे बढ़ाकर मानवीय संकट में बदल दिया। सरकार और एनटीए का तर्क इस कदम को आपातकालीन सुरक्षा कवच के रूप में प्रस्तुत करता है। उनका कहना है कि टेलीग्राम पर सक्रिय चैनल न केवल फर्जी पेपर बेच रहे थे, बल्कि संदेशों को एडिट कर बाद में उन्हें 'प्रमाण' की तरह पेश कर रहे थे।

यही तकनीकी लचीलापन धोखाधड़ी का नया हथियार बन गया। री-एग्जाम की अत्यंत संवेदनशील अवधि में ऐसे नेटवर्क को प्रभावी रूप से रोकने के लिए अस्थायी प्रतिबंध को आवश्यक एवं तात्कालिक कदम माना गया। यह किसी स्थायी सेंसरशिप की शुरुआत नहीं, बल्कि सीमित समय के लिए डिजिटल दरारों को बंद करने की कोशिश है। पर सवाल यह है कि क्या व्यवस्था की यह 'तात्कालिक मरम्मत' दीर्घकालिक सुरक्षा की गारंटी दे सकती है, या यह केवल एक अस्थायी पट्टी है जो गहरे घाव को छुपा देती है?

फिर भी, इस कदम की आलोचना जायज है। टेलीग्राम पर करोड़ों भारतीय निर्भर हैं - छात्र सामग्री शेयर करते हैं, छोटे व्यापारी काम चलाते हैं, पत्रकार सूचना इकट्ठा करते हैं। एक पूरे प्लेटफॉर्म को ब्लॉक करना वीपीएन के दौर में कितना प्रभावी होगा, यह बहस का विषय है। इंटरनेट फ्रीडम फाउंडेशन जैसी संस्थाएं इसे अतिरंजित और असंवैधानिक बता रही हैं। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता मौलिक अधिकार है, लेकिन जब वह लाखों ईमानदार छात्रों के हक में बाधक बन जाए तो क्या सरकार को हाथ पर हाथ रखकर बैठना चाहिए? संतुलन जरूरी है। बैन अस्थायी है, लक्षित है, लेकिन लंबे समय में यह समाधान नहीं।

पर समस्या केवल डिजिटल मंचों की नहीं, बल्कि उस पूरी संरचना की है जो लीक को जन्म देती है। परीक्षा प्रणाली की कमजोर कड़ियाँ—प्रिंटिंग प्रेस की सुरक्षा, परिवहन की निगरानी, केंद्रों की जवाबदेही और भ्रष्टाचार की छायाएँ—सब मिलकर इस संकट की जमीन तैयार करती हैं। टेलीग्राम या कोई अन्य प्लेटफॉर्म केवल माध्यम है, अपराध का मूल स्रोत नहीं। यदि संरचना ही छिद्रपूर्ण रहेगी, तो अपराधी हर नए माध्यम को अपने हित में ढाल लेंगे। इसलिए केवल डिजिटल नियंत्रण से समाधान की उम्मीद करना वैसा ही है जैसे दीवारों पर रंग कर भवन की नींव को मजबूत मान लेना।

अब समय आ गया है कि परीक्षा व्यवस्था को तकनीकी और संरचनात्मक दोनों स्तरों पर पुनर्परिभाषित किया जाए। कंप्यूटर बेस्ड टेस्टिंग (सीबीटी) का व्यापक उपयोग केवल आधुनिकता नहीं, बल्कि सुरक्षा की आवश्यकता है। एआई आधारित प्रॉक्टरिंग, बायोमेट्रिक सत्यापन और एन्क्रिप्टेड प्रश्नपत्र वितरण प्रणाली लीक की संभावना को काफी हद तक कम कर सकते हैं। ब्लॉकचेन जैसी तकनीक प्रश्नपत्र की ट्रेसबिलिटी और पारदर्शिता को नई मजबूती दे सकती है। यदि तकनीक को केवल सहायक नहीं, बल्कि प्रणाली का केंद्र बनाया जाए, तो भरोसे की नींव पुनः स्थापित की जा सकती है।

डिजिटल प्लेटफॉर्म रेगुलेशन का प्रश्न अब टालने योग्य नहीं है। धारा 69 आवश्यक है, पर इसका उपयोग संतुलित और पारदर्शी होना चाहिए। टेलीग्राम समाधान नहीं, यह केवल आपातकालीन कदम है जो तत्काल धोखाधड़ी रोक सकता है। सरकार को टेलीग्राम जैसे प्लेटफॉर्म्स के साथ मिलकर प्रभावी रिपोर्टिंग मैकेनिज्म विकसित करना चाहिए, ताकि संदिग्ध चैनल तुरंत ब्लॉक हो सकें। इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय, शिक्षा मंत्रालय और एनटीए के बीच बेहतर समन्वय जरूरी है। प्लेटफॉर्म्स के साथ साझेदारी आधारित निगरानी तंत्र विकसित होना चाहिए, जहाँ संदिग्ध गतिविधियों की तेज पहचान और निष्कासन हो सके। नियंत्रण और स्वतंत्रता के बीच संतुलन जरूरी है। एनटीए का दावा है कि इससे फ्रॉड पर अंकुश लगेगा, लेकिन असली सफलता तभी होगी जब छात्रों को बार-बार री-एग्जाम न देना पड़े और उनकी मेहनत सुरक्षित रहे, वरना लगातार विवाद उसकी विश्वसनीयता को कमजोर करते रहेंगे।

परीक्षाओं की पवित्रता राष्ट्र के भविष्य से जुड़ी है। टेलीग्राम पर यह अस्थायी प्रतिबंध न तो विजय का शंखनाद है और न ही लोकतांत्रिक अधिकारों पर स्थायी चोट। यह एक आपातकालीन प्रतिक्रिया है—एक ऐसे तंत्र की जो बार-बार दरकता है और हर बार अस्थायी सहारे से खड़ा किया जाता है। असली प्रश्न यह है कि क्या हम हर संकट पर प्लेटफॉर्म बदलते रहेंगे या उस व्यवस्था को ही बदलेंगे जो संकट को जन्म देती है। परीक्षा की शुचिता कोई प्रशासनिक औपचारिकता नहीं, बल्कि सामाजिक विश्वास की रीढ़ है। यदि यह रीढ़ टूटती रही, तो न केवल परीक्षाएँ, बल्कि पूरा शिक्षा-तंत्र अविश्वास की धूल में बदल जाएगा। अब समय है कि हम सतह पर नहीं, जड़ों पर वार करें—और एक ऐसी व्यवस्था गढ़ें जहाँ 'लीक' असंभव नहीं तो कम से कम असहज अवश्य हो। तभी छात्रों का विश्वास लौटेगा और सपनों का हत्यारा माफिया बेकार हो जाएगा।

प्रो. आरके जैन 'अरिजीत'
शिक्षाविद्
बड़वानी (मप्र)

आंचलिक

रिकॉर्ड गायब होने पर आदिवासी किसानों का भगवानपुरा तहसील घेराव

दैनिक इंदौर संकेत

खरगोन ● जिले के दगड़खेड़ी के आदिवासी किसानों ने मंगलवार को भगवानपुरा तहसील मुख्यालय पर प्रदर्शन किया। उन्होंने ग्रामसभा का प्रस्ताव संयुक्त कलेक्टर हेमलता सोलंकी को सौंपकर खेती के रिकॉर्ड गायब होने के मामले में 10 दिन में कार्रवाई की मांग की। इस प्रदर्शन में जागृत आदिवासी दलित संगठन (खरगोन, बड़वानी, बुरहानपुर), भारत आदिवासी पार्टी और जयस जैसे निमाड़ के कई आदिवासी संगठनों ने समर्थन दिया। सेंधवा विधायक मोंटू सोलंकी भी आंदोलन में शामिल हुए। दोपहर में एक बड़ी रैली निकाली गई, जिसमें 500 से अधिक लोग शामिल थे। किसानों का आरोप है कि प्रशासन केवल खसरा क्रमांक 318/2 तक सीमित कार्रवाई कर उन्हें अतिक्रमणकारी बताने का प्रयास कर रहा है। जबकि किसानों के पास शासन की ऋण पावती और बी वन खसरा जैसे वैध दस्तावेज मौजूद हैं, जो उनकी भूमि के स्वामित्व को प्रमाणित करते हैं। आंदोलन से जुड़े सुभाष भाई ने बताया कि ग्रामसभा में पारित प्रस्ताव में प्रभावित किसानों के नाम की सूची भी दी गई है। उन्होंने कहा कि बोवनी का समय नजदीक है, और प्रशासन को सर्वे व सीमांकन के लिए पर्याप्त समय दिया गया है। यदि 10 दिनों के भीतर इन अनुशंसाओं पर कार्रवाई नहीं होती है, तो आदिवासी संगठन उग्र आंदोलन करेंगे।

नई बस का नहीं हुआ पंजीयन, आरटीओ पर प्रकरण लटकाने और प्रताड़ना के आरोप

दैनिक इंदौर संकेत

धार ● जिला पंचायत सभागृह में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में बस संचालक बद्रीलाल फकीरा के परिजन अमन फकीरा ने एडीएम संजीव केशव पांडे को आवेदन सौंपा। इसमें उन्होंने बस का पंजीयन नहीं होने की शिकायत की है। आवेदन में बताया गया कि बद्रीलाल फकीरा ने नवंबर 2025 में टाटा कंपनी की एक नई बस खरीदी थी। बस की बॉडी तैयार होने के बाद स्थायी पंजीयन के लिए जिला परिवहन कार्यालय में आवेदन किया गया था। इसके लिए निर्धारित शुल्क और सभी आवश्यक दस्तावेज जमा किए गए, साथ ही वाहन का भौतिक सत्यापन भी कराया गया।

अमन फकीरा ने जानकारी दी कि सभी औपचारिकताएं पूरी होने के बावजूद आज तक बस का पंजीयन नहीं किया गया है। इस कारण बस पिछले आठ माह से खड़ी है और उसका संचालन शुरू नहीं हो पाया है। वहीं, वाहन की फाइनेंस किश्तों का भुगतान भी करना पड़ रहा है, जिससे परिवार को आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अमन फकीरा का आरोप है कि वे कई बार आरटीओ कार्यालय के चक्कर लगा चुके हैं और अधिकारियों से भी मिले हैं, लेकिन उनकी बात नहीं सुनी जा रही है। उन्हें किसी भी प्रकार का स्पष्ट जवाब नहीं दिया जा रहा है और न ही यह बताया जा रहा है कि बस का पंजीयन अब तक क्यों लंबित है। आवेदन में परिवहन विभाग के अधिकारियों पर जानबूझकर प्रकरण लंबित रखने का आरोप लगाया गया है। साथ ही, अनुसूचित जाति वर्ग से होने के कारण प्रताड़ित किए जाने की बात भी कही गई है। जनसुनवाई में प्रशासन से मामले की जांच कर बस का शीघ्र पंजीयन कराने और संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की गई है। इस मामले में जिला परिवहन अधिकारी हृदेश सिंह यादव से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उनसे बात नहीं हो सकी। एडीएम संजीव केशव पांडे ने आवेदन प्राप्त कर नियमानुसार जांच का आश्वासन दिया है।

खाद, बीज, डीजल व फसल नुकसान पर समाधान की मांग, भारतीय किसान संघ ने एडीएम को सौंपा ज्ञापन

दैनिक इंदौर संकेत

धार ● जिला पंचायत सभागृह में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में भारतीय किसान संघ जिला धार के पदाधिकारियों ने किसानों की विभिन्न समस्याओं को लेकर एडीएम संजीव केशव पांडे को ज्ञापन सौंपा। संघ ने जिले के किसानों से जुड़े मुद्दों के शीघ्र समाधान की मांग की। भारतीय किसान संघ के अमोल पाटीदार ने बताया कि खरीफ सीजन की शुरुआत होने वाली है, लेकिन जिले में किसानों को खाद और बीज की उपलब्धता में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई सहकारी समितियों और बाजारों में डीएपी तथा यूरिया पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध नहीं है। इसके अतिरिक्त, कृषि विभाग और बीज निगम के पास भी सोयाबीन बीज की कमी बनी हुई है। किसानों को केन में डीजल नहीं मिलने के कारण भी समस्या हो रही है।

कई गांवों के किसानों को डीजल लेने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती है, जिससे उनका समय बर्बाद होता है। ज्ञापन में खेत बचाओ अभियान की जानकारी किसानों तक पहुंचाने की मांग भी की गई है। अमोल पाटीदार ने यह भी बताया कि जिले में घोड़ा रोज़ (वन्य जीव) की समस्या से किसान लंबे समय से परेशान हैं, जिससे फसलों को नुकसान हो रहा है। इस समस्या के समाधान के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए गए हैं। इसके अलावा, गेहूं खरीदी के बाद कई किसानों का भुगतान अब तक लंबित है, जिससे उन्हें आर्थिक कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। ज्ञापन में कृषि उपज मंडी में सुविधाओं के विस्तार, नई मंडी के निर्माण, तालाबों के गहरीकरण, रेल लाइन के दोनों ओर सर्विस रोड के निर्माण तथा पुराने और जर्जर विद्युत तारों को बदलने की मांग भी शामिल थी। संघ ने पराली जलाने वाले किसानों पर लगाए गए जुर्माने को निरस्त करने की भी मांग की। भारतीय किसान संघ ने प्रशासन से सभी मांगों पर शीघ्र कार्रवाई करने का आग्रह किया। जनसुनवाई के दौरान एडीएम संजीव केशव पांडे ने ज्ञापन प्राप्त कर संबंधित विभागों को आवश्यक कार्रवाई के लिए निर्देशित करने का आश्वासन दिया।

खंडवा-मूंदी रोड निर्माण को लेकर एनएसयूआई की दंडवत यात्रा

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● खंडवा में सालों से जर्जर पड़ी खंडवा-मूंदी रोड के निर्माण और टेंडर प्रक्रिया जल्द शुरू करने की मांग को लेकर मंगलवार को एनएसयूआई ने अनोखे अंदाज में विरोध प्रदर्शन किया। संगठन के कार्यकर्ताओं ने महाराणा प्रताप प्रतिमा से कलेक्टर कार्यालय तक दंडवत यात्रा निकालकर सरकार का ध्यान सड़क की समस्या की ओर आकर्षित किया। यात्रा के समापन पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नाम ज्ञापन सौंपकर सड़क निर्माण कार्य में तेजी लाने की मांग की गई। दंडवत यात्रा का नेतृत्व एनएसयूआई कार्यकर्ता चंदनसिंह पंवार और मोंटी पंवार ने किया। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर माल्यार्पण और श्रद्धांजलि अर्पित कर की गई। इसके बाद दादाजी

धाम, संत सिंगाजी महाराज और भगवान ओंकारेश्वर का स्मरण करते हुए कार्यकर्ता दंडवत करते हुए कलेक्टर कार्यालय पहुंचे। कलेक्टर कार्यालय में सौंपे गए ज्ञापन में कहा गया कि खंडवा-मूंदी रोड लंबे समय से खस्ताहाल बनी हुई है। सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे और खराब मार्ग के कारण रोजाना हजारों लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सड़क की खराब स्थिति से सबसे अधिक प्रभावित किसान, विद्यार्थी, व्यापारी और ग्रामीण क्षेत्र के निवासी हैं। ज्ञापन में सरकार से मांग की कि सड़क के जीर्णोद्धार और निर्माण कार्य के लिए तत्काल टेंडर प्रक्रिया शुरू कर कार्य को प्राथमिकता के आधार पर कराया जाए। कार्यक्रम में मौजूद वक्ताओं ने कहा कि खंडवा-मूंदी मार्ग क्षेत्र की महत्वपूर्ण संपर्क सड़क है। इसके बावजूद लंबे समय से सड़क की स्थिति सुधारने की दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि जनता की यह समस्या अब गंभीर रूप ले चुकी है और शासन-प्रशासन को इस पर तत्काल निर्णय लेना चाहिए।

राष्ट्रपति के ओंकारेश्वर दौरे को लेकर ट्रैफिक प्लान लागू

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के प्रस्तावित ओंकारेश्वर आगमन को देखते हुए जिला प्रशासन और ट्रैफिक पुलिस ने 17 जून से 19 जून दोपहर 12 बजे तक स्पेशल ट्रैफिक प्लान लागू करने का निर्णय लिया है। सुरक्षा प्रबंधों और ट्रैफिक दबाव को नियंत्रित करने के लिए इंदौर रोड पर भारी मालवाहक वाहनों के आवागमन में आंशिक बदलाव किया गया है। वहीं, ओंकारेश्वर पहुंचने वाले श्रद्धालुओं के लिए अलग पार्किंग और परिवहन की व्यवस्था बनाई गई है। प्रशासन ने आमजन और श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे निर्धारित डायवर्जन और पार्किंग व्यवस्था का पालन करें तथा यात्रा के लिए अतिरिक्त समय लेकर निकलें। राष्ट्रपति के दौरे के दौरान इंदौर-इच्छापुर मार्ग पर यातायात का दबाव कम करने के लिए भारी वाहनों को वैकल्पिक मार्गों से भेजा जाएगा। इंदौर से खंडवा आने वाले भारी वाहन तेजाजी नगर से महू, मानपुर, धामनोद, खरगोन, भीकनगांव और देशगांव होते हुए खंडवा पहुंचेंगे। इंदौर से आने वाले वाहन सिमरोल, मंडलेश्वर, कसरावद, खरगोन, भीकनगांव और देशगांव मार्ग से खंडवा जाएंगे। इंदौर से खंडवा की ओर आने वाले वाहन बड़वाह, मंडलेश्वर, कसरावद, खरगोन, भीकनगांव और देशगांव होकर गुजरेंगे।

फीस छिपाने पर 15 निजी स्कूलों पर जुर्माना, पोर्टल पर जानकारी अपलोड नहीं की

दैनिक इंदौर संकेत

खंडवा ● खंडवा जिले में फीस संबंधी जानकारी सार्वजनिक करने में लापरवाही बरतने वाले 15 निजी स्कूलों पर प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने तय समय सीमा में निर्धारित पोर्टल पर फीस की जानकारी अपलोड न करने पर इन सभी 15 स्कूलों पर पांच-पांच हजार रुपए का अर्थदंड लगाया है। जिला शिक्षा अधिकारी प्यारसिंह सोलंकी ने बताया कि प्रदेश सरकार ने सभी निजी विद्यालयों को अपनी फीस संरचना पोर्टल पर अपलोड करना अनिवार्य

किया है। इसका मुख्य उद्देश्य अभिभावकों को स्कूल फीस की पारदर्शी जानकारी उपलब्ध कराना और मनमानी वसूली पर रोक लगाना है। इसके बावजूद इन 15 स्कूलों ने निर्देशों की अनदेखी की, जिसके कारण यह दंडात्मक कार्रवाई की गई है। प्रशासनिक कार्रवाई के दायरे में आने वाले विद्यालयों में सरस्वती शिशु मंदिर सक्तापुर, मां आनंदमयी त्रिपुरा विद्यापीठ उमावि ओंकारेश्वर, मंजु एकेडमी देशगांव, किट्स केयर एकेडमी धनगांव और सरस्वती एंग्लो वैदिक मलगांव शामिल हैं। इसके साथ ही इनवेंशन पब्लिक स्कूल कालमुखी, एंजल इंटरनेशनल स्कूल कालमुखी और गोल्डन ड्रीम स्कूल लाल चौकी खंडवा पर भी जुर्माना लगा है। इनके अलावा ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती प्राथमिक शाला खानशाहवली, मदर टेरेसा प्राथमिक शाला खानशाहवली, पेरामाउंट पब्लिक स्कूल कालमुखी, ग्लोरियस कॉन्वेंट स्कूल पदमनगर, ब्राइटयार्ड पब्लिक स्कूल खानशाहवली, ए.एस. सुंदरदेव विद्यालय तथा ज्ञानेन्द्रम संस्कृत विद्यालय हरसूद को भी इस सूची में शामिल किया गया है। शिक्षा विभाग के अधिकारियों के अनुसार, पोर्टल पर ऑनलाइन जानकारी उपलब्ध होने से अभिभावक विभिन्न स्कूलों की फीस की आसानी से तुलना कर सकते हैं।

मप्र के बॉडी बिल्डर अरबाज ने पंजाब में फेडरेशन कप मि इंडिया का जीता खिताब

दैनिक इंदौर संकेत

इंदौर ● इंडियन बॉडीबिल्डर फेडरेशन मुंबई के तत्वावधान में पंजाब एमेच्योर बॉडीबिल्डिंग संगठन द्वारा 15वीं में सीनियर, विमेंस, फिटनेस, वूमेन मॉडल, फिजिक बॉडीबिल्डिंग चैंपियनशिप का भव्य एवं ऐतिहासिक आयोजन लुधियाना के अंबेडकर हाल 12 व 13 मई को संपन्न हुआ। बॉडीबिल्डिंग के इतिहास में प्रथम बार मध्य प्रदेश को ओवरआल चैंपियन ऑफ चैंपियन मिस्टर इंडिया की उपलब्धि प्राप्त हुई । 27 प्रदेशों के 245 शरीर साधकों को पछाड़ते हुए मध्य प्रदेश टीम की और से नीमच के अरबाज खान ने फेडरेशन कप एवं एक लाख के प्राइज पर कब्जा जमा कर श्रेष्ठता सिद्ध की। वही प्रदीप ठाकुर ने 90 किलो ग्राम वर्ग में गोल्ड मेडल और अफराज खान ने मेंस फिजिक में ब्रॉन्ज मेडल पर अधिकार सिद्ध किया। पुरस्कार वितरण वर्ल्ड बॉडीबिल्डिंग ऐंड फिजिक फेडरेशन के जनरल सेक्रेटरी चेतन पठारे, इंडिया बॉडीबिल्डर फेडरेशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी रमेश, पदमश्री प्रेमचंद ढींगरा ने किया। इस अवसर पर आई बी बी एफ के जॉइंट सेक्रेटरी व राज्य संस्था के ससहिव अतिन तिवारी, राज्य कोषाध्यक्ष शैलेन्द्र व्यास, इंटरनेशनल रेफरी रोहित जेठवा विशेष रूप से उपस्थित थे। स्वर्णिम उपलब्धि पर राज्य शरीर

सौष्ठव संस्था मध्य प्रदेश के पूर्व मिस्टर इंडिया सिविल सर्विसेज एवं मध्य प्रदेश के अध्यक्ष जितेन्द्र सिंह कुशवाहा ,समीर व्यास दिनेश पालीवाल आदि ने शुभकामनाएं प्रेषित की।

अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरा वनडे खेलने उतरेगी टीम इंडिया

लखनऊ (एजेंसी) ● भारत बुधवार को लखनऊ के भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी एकाना क्रिकेट स्टेडियम में अफगानिस्तान के खिलाफ दूसरे

वनडे में तीन मैचों की सीरीज जीतने की कोशिश करेगा। पहले मैच में शानदार जीत के बाद भारत 1-0 से आगे है। वहीं, अफगानिस्तान के लिए सीरीज में बने रहने के लिए यह मैच जीतना जरूरी है। पहले वनडे में रहमानुल्लाह गुरबाज के शानदार शतक के बावजूद उनकी टीम की बल्लेबाजी लडखड़ा गई थी। मेहमान टीम उस व्यक्तिगत शानदार प्रदर्शन से आत्मविश्वास तो लेगी, लेकिन एक मजबूत भारतीय टीम को चुनौती देने के लिए उन्हें कहीं ज्यादा सामूहिक प्रयास की जरूरत होगी। पहले वनडे में दोनों टीमों के बीच कुल क्षमता का अंतर साफ दिखा। जहां गुरबाज की तूफ़ानी बल्लेबाजी की बदौलत अफ़ग़ानिस्तान ने एक अच्छा स्कोर खड़ा किया, वहीं उनके आउट होते ही टीम की पारी तेजी से बिखर गई। इसके उलट, भारत ने आसानी से लक्ष्य का पीछा किया, जिससे उनकी बल्लेबाजी की गहराई और रणनीतिक लचीलापन दोनों ही साबित हुए। शुभमन गिल ने टॉप ऑर्डर में अपना शानदार फ़ॉर्म जारी रखा। ईशान किशन को नंबर तीन पर भेजने से मिडिल ओवरों में आक्रामकता आई, जबकि फ़िनिशर के तौर पर केएल राहुल की भूमिका तुरंत फ़ायदेमंद साबित हुई और उन्होंने निचले मिडिल ऑर्डर में शांत और भरोसेमंद खेल दिखाया।

महिला वर्ल्ड कप : आज सेमीफाइनल की राह आसान करने उतरेगी टीम इंडिया

3लीड्स (एजेंसी) ● पाकिस्तान के खिलाफ पहले मुकाबले में भारत ने जीत तो दर्ज की, लेकिन बल्लेबाजी पूरी तरह प्रभावी नहीं दिखी। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और निचले क्रम में ऋचा घोष ने महत्वपूर्ण पारियां खेलकर टीम को संभाला, लेकिन अन्य बल्लेबाज अपेक्षित योगदान नहीं दे सके। ऐसे में बुधवार को नीदरलैंड के खिलाफ मुकाबला भारतीय बल्लेबाजों के लिए लय हासिल करने का अच्छा अवसर होगा। यह मुकाबला जीतकर भारतीय महिला टीम सेमीफाइनल की राह आसान करने उतरेगी। पहले मैच में भारतीय स्पिनरों ने शानदार प्रदर्शन किया था। दीप्ति शर्मा और श्री चरणी की जोड़ी ने मिलकर आठ विकेट झटके थे। दीप्ति ने पांच विकेट लेकर पाकिस्तान की बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी थी। हालांकि तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी और क्रांति गौड़ ज्यादा प्रभाव नहीं छोड़ सकीं। नीदरलैंड्स की टीम अपना पहला मैच बांग्लादेश से हारकर आ रही है। कप्तान बाबेट डी लीडे ने भी माना कि उनकी टीम बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग तीनों विभागों में उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकी।

'जब वी मेट' की गीत जैसी है 'मेहर', अंजना ने साझा किए दिलचस्प पहलू

मुंबई (एजेंसी) ●अभिनेत्री अंजना सुखानी ने कहा है कि फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' में उनका किरदार 'मेहर' काफी हद तक इम्तियाज़ अली की चर्चित फिल्म 'जब वी मेट' की 'गीत' जैसा है। हाल ही में रिलीज हुई इम्तियाज़ अली निर्देशित फिल्म 'मैं वापस आऊंगा' को दर्शकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिल रही है। इसी बीच अंजना सुखानी ने फिल्म से जुड़ी अपनी यादें और अनुभव साझा किए। अंजना ने बताया कि इस फिल्म से जुडने की शुरुआत एक फोन कॉल से हुई थी। उन्होंने कहा कि कितने कलाकार यह कह सकते हैं कि वे इम्तियाज़ अली की फिल्म का हिस्सा हैं? सबसे पहले मुझसे एक परिचय वीडियो मांगा गया था। बाद में जब मैं उनसे मिली तो शायद उन्होंने मुझमें मेहर को देख लिया। उन्होंने मुझे किरदार के बारे में बताया और मेरे मन में कोई सवाल ही नहीं था। मैं इम्तियाज अली को ना कहने वाली कौन होती? अपने किरदार के बारे में बात करते हुए अंजना ने कहा कि मेहर और 'जब वी मेट' की गीत में कई समानताएं हैं। उन्होंने कहा कि गीत की तरह मेहर भी बेझिझक अपनी बात कहती है। इम्तियाज़ अली की महिला किरदार समझदार होने के साथ-साथ मासूमियत से भी भरी होती हैं। मेहर अक्सर गलत समय पर ऐसी बातें कह देती है, जो नहीं कहनी चाहिए, लेकिन यही बात उसे दिलचस्प और प्यारा बनाती है। अंजना ने दिग्गज अभिनेता नसीरुद्दीन शाह के साथ काम करने के अनुभव को भी खास बताया। उन्होंने कहा कि जब भी मैं उनके साथ कोई दृश्य करती थी, उनकी अदाकारी देखकर मेरी आंखें भर आती थीं। उन्हें अभिनय करते हुए देखना अपने आप में एक सीख है।

कुणाल खेमू करेंगे 'अलायंस' की मेजबानी, प्राइम वीडियो पर पहला डेली रियलिटी शो

मुंबई (एजेंसी) ● प्राइम वीडियो ने अपनी बहुप्रतीक्षित रियलिटी सीरीज 'अलायंस' की वैश्विक प्रीमियर तिथि 26 जून घोषित कर दी है। यह प्राइम वीडियो का दुनिया भर में पहला डेली रियलिटी शो होगा, जिसका नया एपिसोड प्रतिदिन दोपहर 12 बजे स्ट्रीम किया जाएगा। कुल 42 एपिसोड वाला यह शो छह सप्ताह तक चलेगा और भारत सहित दुनिया के 240 देशों एवं क्षेत्रों में उपलब्ध होगा। बानिजय एशिया द्वारा निर्मित और अभिनेता कुणाल खेमू द्वारा होस्ट किए जाने वाले इस शो में 16 कंटेस्टेंट्स जोड़ी के रूप में खेल में प्रवेश करेंगे।

हालांकि खेल आगे बढने के साथ गठबंधन बदलेंगे, रणनीतियां बनेंगी और टूटेंगी तथा प्रतिभागियों को लगातार नए समीकरणों और चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। अंततः सभी चुनौतियों को पार कर केवल एक प्रतियोगी ही विजेता बन सकेगा। 'अलायंस' टाल्पा स्टूडियोज के लोकप्रिय डच फॉर्मेट का पहला अंतरराष्ट्रीय रूपांतरण है, जिसे जॉन डी मोल ने बनाया है। भारतीय दर्शकों को ध्यान में रखकर तैयार किए गए इस शो में रणनीति, प्रदर्शन, विश्वास और विश्वासघात का अनोखा मिश्रण देखने को मिलेगा। प्राइम वीडियो की प्राइम डे स्पेशल लाइनअप का हिस्सा बने 'अलायंस' के साथ अभिनेता कुणाल खेमू पहली बार किसी रियलिटी शो के होस्ट की भूमिका में नजर आएंगे।

उज्जैन संभाग

महामंडलेश्वर सुमनानंद को जान से मारने की धमकी; तेरा मोदी और मोहन कोई बचा नहीं पाएगा

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ●मंगलनाथ रोड स्थित गंगाघाट श्री मौन तीर्थ पीठ के पीठाधीश्वर और निरंजनी अखाड़े के महामंडलेश्वर डॉ. सुमनानंद गिरि महाराज को एक बार फिर जान से मारने की धमकी मिली है। धमकी एक पत्र के जरिए दी गई है। इसमें उदयपुर के टेलर और दिल्ली में हाल ही में ईद के मौके पर युवक की हुई हत्या जैसा हश्र करने की धमकी दी गई है। गंगाघाट श्री मौन तीर्थ पीठ पर यह धमकी भरा पत्र सोमवार को पहुंचा। मंगलवार को जब इसे खोला गया तो पता चला कि उसमें हाथ से लिखा एक पत्र है, जिसमें महामंडलेश्वर डॉ. सुमनानंद गिरि के लिए धमकी भरे शब्द लिखे गए हैं। पत्र उत्तर प्रदेश के महू शहर से भेजा गया है। पत्र में नबी की शान में गुस्ताखी का जिक्र करते हुए जहन्नुम पहुंचाने की धमकी दी गई है। साथ ही लिखा गया है कि 'तुझे मोदी और मोहन कोई नहीं बचा सकेगा।' पत्र मिलने के बाद महामंडलेश्वर ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है।

महामंडलेश्वर डॉ. सुमनानंद गिरि महाराज ने बताया कि पत्र सोमवार शाम को मिला था। इसकी जानकारी उज्जैन एसपी को दे दी गई है। उन्होंने कहा कि सनातन के लिए लगातार काम करने के कारण उन्हें इस तरह की धमकियां मिल रही हैं। इससे पहले उन पर बड़ौदा और उज्जैन में भी हमला हो चुका है, लेकिन प्रशासन ने अब तक कोई सुरक्षा उपलब्ध नहीं कराई है। सुमनानंद, अब पानी सर के ऊपर जा रहा है। बार-बार मना करने पर भी तू अपनी आदत से बाज नहीं आ रहा है। मुसलसल हमारे प्यारे नबी की शान में गुस्ताखी कर रहा है। कन्हैया लाल दर्जी के कत्ल का वीडियो देख। दिल्ली में बकरीद पर काफिर पिल्ले की कुर्बानी का वीडियो देख। अब तेरी बारी है।

जहन्नुम में जाएगा तू। तेरा मोदी और मोहन कोई बचा नहीं पाएगा, इंशाअल्लाह। बच सको तो बचो। ये पहला मौका नहीं है, जब महामंडलेश्वर डॉ. सुमनानंद गिरि को धमकी मिली हो। इससे पहले उन्हें 2023 और 2025 में भी धमकियां मिल चुकी हैं और हर बार धमकी पत्र के जरिए ही मिली है। 2025 में भी एक पत्र के माध्यम से धमकी दी गई थी, जो प्रयागराज (यूपी) से उर्दू में लिखकर भेजा गया था। सगीर अहमद पिता रिजवान नाम के व्यक्ति ने नवाब नगर, करेली, प्रयागराज (यूपी) के पते से एक लिफाफे में बंद उर्दू में लिखा पत्र भेजा था। उस दौरान पत्र में लिखा था कि तुम बार-बार नबी की तौहीन करते हो, इसकी सजा मिलेगी, जिसमें सिर तन से जुदा करने की धमकी दी गई थी। महामंडलेश्वर डॉ. सुमनानंद गिरि महाराज पहले अपने आश्रम में मुस्लिम लड़कियों को सनातन धर्म में शामिल कर उनका विवाह सनातन रीति-रिवाज से करा चुके हैं। साथ ही, एक माह पहले ही एक मुस्लिम लड़के को विधि-विधान से हिंदू धर्म में शामिल किया था।

निर्माण सुरक्षा पर 18 से आईआईटी मुंबई के विशेषज्ञ देंगे प्रशिक्षण

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● सिंहस्थ 2028 से जुड़े निर्माण और अधोसंरचना कार्यों को सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने के लिए प्रशासन निर्माण सुरक्षा पर क्षमता संवर्धन प्रशिक्षण शुरू कर रहा है। कार्यक्रम भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मुंबई के विशेषज्ञ प्रोफेसरों की सहभागिता से होगा। पहला सत्र 18 जून को होगा। प्रशिक्षण का उद्देश्य निर्माण कार्यों में लगे अधिकारियों और अभियंताओं को आधुनिक सुरक्षा मानक, जोखिम प्रबंधन और निर्माण स्थलों की सर्वोत्तम सुरक्षा प्रक्रियाओं की व्यावहारिक समझ देना है। जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारियों को प्रशिक्षण मिलेगा।

चल रही ट्रैक्टर टोचन प्रतियोगिता कराई बंद, प्रदेश में भी होने लगा पंजाब-हरियाणा का खेल

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ● जिले की खाचरौद तहसील के ग्राम नंदवासला में बिना प्रशासनिक अनुमति के आयोजित ट्रैक्टर टोचन प्रतियोगिता को सोमवार दोपहर प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीम ने रुकवा दिया। प्रतियोगिता में दो दर्जन से अधिक ट्रैक्टर शामिल थे और इसे देखने के लिए बड़ी संख्या में ग्रामीण जमा हो गए थे। पंजाब और हरियाणा में लोकप्रिय ट्रैक्टर टोचन प्रतियोगिता अब उज्जैन तक पहुंच गई है। इस खेल में लाखों रुपए की सट्टेबाजी होने की बात कही जाती है और कई बार यह जानलेवा भी साबित होता है। इसी तरह की एक प्रतियोगिता का आयोजन ग्राम नंदवासला में किया गया था, जिसे प्रशासन ने बीच में ही बंद करा दिया।

गांव में करीब दो दर्जन से अधिक ट्रैक्टर एकत्र हुए और इसके बाद शुरू हुई प्रतियोगिता को देखने के लिए ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। आयोजन की सूचना मिलते ही मौके पर एसडीएम नेहा साहू, तहसीलदार प्रकाश परिहार और टीआई धनसिंह नलवाया पहुंचे। उन्होंने आयोजन समिति को समझाइश देकर प्रतियोगिता तत्काल बंद करवा दी।

पुलिस और प्रशासन की संयुक्त टीम ने मौके पर पहुंचकर अवैध रूप से चल रहे इस आयोजन को तुरंत बंद करा दिया। आयोजन स्थल पर मौजूद सैकड़ों लोगों और प्रतिभागियों ने भविष्य में इस तरह के आयोजन नहीं करने का आश्वासन दिया। इसी कारण किसी के खिलाफ मामला दर्ज नहीं किया गया।

ग्रामीणों ने बताया कि राजस्थान के कोठड़ी देवलजी सहित पंजाब तथा मध्य प्रदेश के भोपाल, इंदौर, विदिशा और उज्जैन से ट्रैक्टर इस प्रतियोगिता में पहुंचे थे। बताया गया कि ग्राम नंदवासला के सरपंच ने पहली बार इस तरह के आयोजन की पहल

की थी। टीआई धनसिंह नलवाया ने बताया कि पिछले वर्ष भी एक प्रतियोगिता के दौरान ट्रैक्टर का नट-बोल्ट निकलकर राजस्थान के एक प्रतिभागी को लग गया था, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया था।

क्या है टोचन प्रतियोगिता - ट्रैक्टरों को आपस में खींचने की प्रतियोगिता को टोचन कहा जाता है। इसमें दो ट्रैक्टरों को एक मजबूत चेन या रस्सी से विपरीत दिशाओं में बांधा जाता है। जो चालक दूसरे ट्रैक्टर को खींचकर अपनी ओर की निर्धारित लाइन पार करा देता है, उसे विजेता घोषित किया जाता है।

इस खेल में ब्रेक का इस्तेमाल करना मना होता है और यह मुख्य रूप से क्लच के सही उपयोग पर आधारित होता है। यह प्रतियोगिता खासकर पंजाब और हरियाणा में काफी लोकप्रिय है। यदि टोचन (रस्सी या चेन) बहुत छोटी हो, तो खींचने के दौरान ट्रैक्टर का अगला हिस्सा हवा में उठ सकता है, जिससे उसके पलटने का खतरा बढ़ जाता है। इसमें हार-जीत पर लाखों रुपए का सट्टा लगाया जाता है। ट्रैक्टर खींचने के दौरान कई बार दुर्घटनाएं भी होती हैं, जिनमें लोगों की जान तक जा सकती है। कई बार नतीजों को लेकर टीमों के बीच विवाद की स्थिति बन जाती है।

उज्जैन में राम मंदिर ट्रस्ट को भंग करने की मांग

दैनिक इंदौर संकेत

उज्जैन ●अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावे और दान राशि को लेकर सामने आई कथित अनियमितताओं की खबरों के बीच अखिल भारतीय पुजारी महासंघ ने राम मंदिर ट्रस्ट के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। महासंघ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र भेजकर ट्रस्ट को भंग करने, मामले की सीबीआई जांच कराने और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।

ट्रस्ट भंग करने की मांग

अखिल भारतीय पुजारी महासंघ के अध्यक्ष महेश शर्मा ने कहा कि राम मंदिर का निर्माण देशवासियों की आस्था और लंबे संघर्ष का परिणाम है। उन्होंने आरोप लगाया कि ट्रस्ट से जुड़ी गतिविधियों को लेकर लगातार सवाल उठ रहे हैं, जिससे श्रद्धालुओं की भावनाएं आहत हो रही हैं। महेश शर्मा ने कहा कि देशभर के श्रद्धालुओं ने अपनी आस्था के साथ दान, सोना-चांदी और अन्य सामग्री मंदिर को समर्पित की है। ऐसे में यदि दान राशि के उपयोग को लेकर कोई अनियमितता हुई है तो इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। महासंघ ने प्रधानमंत्री को भेजे पत्र में कथित वित्तीय अनियमितताओं और चढ़ावे की राशि के प्रबंधन की सीबीआई जांच कराने की मांग की है। संगठन का कहना है कि मामले में दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

ट्रस्ट में बदलाव का सुझाव

महासंघ के राष्ट्रीय सचिव रूपेश मेहता ने कहा कि यदि ट्रस्ट के संचालन को लेकर सवाल उठ रहे हैं तो सरकार को इसकी समीक्षा करनी चाहिए। उन्होंने मांग की कि राम मंदिर आंदोलन और मंदिर निर्माण से जुड़े परिवारों के योग्य प्रतिनिधियों को ट्रस्ट में शामिल करने पर विचार किया जाए। उनका कहना है कि ऐसे लोग मंदिर की परंपराओं और आस्था से गहराई से जुड़े रहे हैं तथा वे अधिक जिम्मेदारी के साथ इसकी सेवा कर सकते हैं।

सोशल मीडिया दोस्ती में फंसी महिला, प्रेमी निकला शादीशुदा

दैनिक इंदौर संकेत

देवास ●सोशल मीडिया पर दोस्ती और फिर धोखे के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। देवास के वन स्टॉप सेंटर में इस महीने ऐसे 20 से 25 प्रकरण सामने आए हैं, जिनमें महिलाएं और किशोरियां ऑनलाइन रिश्तों के जाल में फंसकर ठगी और मानसिक प्रताड़ना का शिकार हुई हैं। इन मामलों में एक 36 वर्षीय महिला का ताजा प्रकरण भी शामिल है। झारखंड निवासी यह महिला अपने पहले प्रेम विवाह के कुछ वर्षों बाद पति से अलग हो गई थी। इसी दौरान सोशल मीडिया के माध्यम से उसकी पहचान देवास के एक युवक से हुई। युवक ने अपना नाम 'अंशुल' बताया और महिला से दोस्ती कर ली। धीरे-धीरे यह दोस्ती प्रेम संबंधों में बदल गई। महिला को बाद में पता चला कि युवक एक विशेष वर्ग से संबंध रखता है, लेकिन उसने इसे अपने रिश्ते में बाधा नहीं बनने दिया।

दोनों दिल्ली चले गए, जहां युवक ने मंदिर में शादी करने का दावा किया। इसके बाद महिला युवक से मिलने फ्लाइट से देवास भी आई। यहां आने पर उसे पता चला कि जिस युवक पर उसने भरोसा किया था, वह पहले से शादीशुदा है। धोखे का एहसास होने पर महिला को वन स्टॉप सेंटर लाया गया। काउंसलिंग के दौरान उसने पूरे मामले का खुलासा किया। इसके बाद संबंधित थाने में प्रकरण दर्ज कराया गया है। जांच में यह भी सामने आया है कि युवक ने महिला के कुछ आपत्तिजनक वीडियो भी बनाए थे। महिला का आरोप है कि युवक ने अपनी शादीशुदा होने की बात छिपाकर उसे धोखे में रखा। वन स्टॉप सेंटर की प्रशासक गीता ठाकुर ने बताया कि इस माह सामने आए 20 से 25 प्रकरण सीधे तौर पर सोशल मीडिया से जुड़े हैं।

सीएस का फरमान : इंदौर रह चुके अधिकारियों को फिर से नहीं पोस्टिंग, रोशन राय को लेकर चर्चाएं

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● राज्य प्रशासनिक सेवा अधिकारियों की बहुप्रतीक्षित ट्रांसफर सूची देर रात दो बजे जारी हुई। हालांकि इसके लिए करीब रात नौ बजे से ही मंथन चल रहा था। इंदौर को लेकर देर रात तक उठापटक चली और रोशन राय का नाम ऐनवक्त पर जोड़ा गया। राज्य प्रशासनिक सेवा अधिकारियों की तबादला सूची में इंदौर में भारी बदलाव हुए हैं। इंदौर से नौ डिप्टी कलेक्टर, संयुक्त कलेक्टर के ट्रांसफर हो गए हैं। इसमें दो अपर कलेक्टर पद पर पदोन्नत हुए हैं।

इससे चार तहसीलों के एसडीएम खाली हो गए हैं। इसमें राउ, सांवेर, खुड़ैल, देपालपुर हैं। वहीं चौंकाने वाला नाम एडीएम इंदौर अपर कलेक्टर रोशन राय का जुड़ा है। सूत्रों के अनुसार ऐनवक्त पर इनका नाम देर रात जुड़ा और सीधे मैहर ट्रांसफर किया गया है।

इंदौर रह चुके अधिकारियों को सीएस ने रोका–इस सूची में इंदौर को लेकर भारी उठापटक चली। इंदौर आने के लिए तपीश पांडे, बजरंग बहादुर, प्रतुल सिन्हा, अनिल जैन और राजेश सिंह यह सभी सक्रिय थे। वहीं, इसमें से केवल राजेश सिंह को सफलता मिली। वह इंदौर में पहले नायब तहसीलदार रह चुके हैं। वर्तमान में सीएस ऑफिस में ही ओएसडी थे। इसके चलते वह इंदौर आने में सफल रहे। बाकी को सीएस ने रोक दिया। सीएस ने साफ कहा कि जो इंदौर रह चुका है उसे फिर इंदौर में क्यों रहना, अन्य जगह भेजा जाएगा। इसके चलते कई लोग इंदौर नहीं आ सके।

तहसीलदार, नायब तहसीलदार भी बदले

वहीं तहसीलदारों में इंदौर में ममता मिमरोट माफी अधिकारी इंदौर बनाई गई हैं। साथ ही इंदौर आने वालों में तहसीलदार ओमप्रकाश चौरमा, विराट अवस्थी, सहदेव मोरे, सपना शर्मा, राकेश यादव शामिल हैं। वहीं बलवीर राजपूत का इंदौर से बुरहानपुर और याचना दीक्षित का खंडवा ट्रांसफर हो गया है। वहीं नायब तहसीलदार हर्षा वर्मा, नीरज प्रजापति, विजेंद्र सिंह कटारे, प्रियंका जैन, सुधीर शर्मा, आनंद जायसवाल इंदौर आए हैं। वहीं इंदौर में पदस्थ दयाराम निगम का शाजापुर ट्रांसफर हो गया है।

इंदौर में अपर कलेक्टर की फिर तंगी

इंदौर में अपर कलेक्टर की तंगी इस बार भी दूर नहीं हुई है। रिंकेश वैश्य तो पहले से ही प्रभार में थे, ऐसे में बस उनकी औपचारिक पदस्थापना कलेक्टोरेट में हुई है। उलटे रोशन राय का ट्रांसफर हो गया, उनकी जगह किसी को नहीं दिया गया है। निशा डामोर स्वास्थ्य समस्या से छुट्टी पर रहती हैं।

अपर कलेक्टर में यह बदलाव–पहले अपर कलेक्टर सूची की बात करें तो इंदौर में रिंकेश वैश्य लंबे समय से क्षेत्रीय प्रबंधक नागरिक आपूर्ति विभाग के साथ प्रभारी अपर कलेक्टर भी थे। अब उन्हें पूरी तरह से अपर कलेक्टर कर दिया गया है। हालांकि क्षेत्रीय प्रबंधक पद अभी रिक्त रखा गया है। वहीं रोशन राय को एडीएम इंदौर से अपर कलेक्टर मैहर पद पर ट्रांसफर किया गया है। इतनी दूर उन्हें भेजा जाना और तीन साल के पहले ही ट्रांसफर होना किसी को पच नहीं रहा है। माना जा रहा है कि किसी के जरिए एप्रोच लगाकर उन्हें हटवाया गया है। क्योंकि ना उनकी शिकायतें थीं ना ही वह किसी तरह के विवाद में थे।

यह डिप्टी कलेक्टर, संयुक्त कलेक्टर इंदौर से हुए विदा

- इंदौर से सात डिप्टी कलेक्टर, संयुक्त कलेक्टर स्तर के अधिकारी ट्रांसफर हो गए हैं।
- नीरज खरे संयुक्त कलेक्टर टीकमगढ़ ट्रांसफर
- प्रदीप सोनी संयुक्त कलेक्टर अलीराजपुर गए
- ओम नारायण बड़कुल संयुक्त कलेक्टर विदिशा गए
- कल्याणी पाण्डेय संयुक्त कलेक्टर अवर सचिव कार्मिक भोपाल ट्रांसफर
- प्रिया आशीष पटेल संयुक्त कलेक्टर खंडवा ट्रांसफर
- सीमा कनेश प्रभारी डिप्टी कलेक्टर शाजापुर ट्रांसफर
- प्रियंका चौरसिया प्रभारी डिप्टी कलेक्टर रतलाम ट्रांसफर

इंदौर में यह अधिकारी आए

- इंदौर में छह अधिकारी आए हैं। इसमें दो अधिकारी खासकर प्रभावी माने जा रहे हैं जिसमें हरिशंकर विश्वकर्मा और राजेश सिंह हैं। दोनों ही प्रभारी डिप्टी कलेक्टर हैं। विश्वकर्मा राजनीतिक रूप से मजबूत हैं और वहीं सिंह सीएस ऑफिस से आने से मजबूत हैं। साथ ही राहुल गुप्ता की भी उच्च स्तर पर नजदीकी बताई जाती है।
- राहुल गुप्ता संयुक्त कलेक्टर धार से इंदौर
- श्रुति अग्रवाल संयुक्त कलेक्टर दतिया से इंदौर
- लोकेंद्र सिंह सरल संयुक्त कलेक्टर दतिया से इंदौर
- अलका सिंह वामनकर प्रभारी डिप्टी कलेक्टर भोपाल से इंदौर
- हरिशंकर विश्वकर्मा प्रभारी डिप्टी कलेक्टर विदिशा से इंदौर
- राजेश सिंह प्रभारी डिप्टी कलेक्टर सीएस ओएसडी से इंदौर

निगम से मुक्त हुए पांडे–उधर लंबे समय से नगर निगम इंदौर में दरकिनार हुए नरेंद्र नाथ पांडे को निगम से मुक्ति मिल गई है। वह मुख्य महाप्रबंधक एमपीआईडीसी इंदौर में पदस्थ हुए हैं। लंबे समय से उनकी वहां पटरी नहीं बैठ रही थी। साथ ही, वर्तमान में इंदौर कलेक्टोरेट में भी समीकरण नहीं बैठ रहे थे।

इंदौर से एसडीएम, दो अपर कलेक्टर बनकर गए–वहीं सांवेर एसडीएम राकेश त्रिपाठी और राउ एसडीएम गोपाल वर्मा अपर कलेक्टर पद पर पदोन्नत होकर ट्रांसफर हुए हैं। हालांकि कोशिश थी कि इन्हें इंदौर में ही रखा जाए लेकिन सीएस अनुराग जैन ने इंदौर से इंदौर में ही पदोन्नत करने से इंकार कर दिया था। गोपाल वर्मा को उप सचिव मप्र शासन स्कूल शिक्षा विभाग और राकेश त्रिपाठी को अपर कलेक्टर दमोह किया गया।

ऐसे में अब आईएएस पवार नवजीवन विजय और रिंकेश ही बचे हैं। जबकि इंदौर में पांच अपर कलेक्टर के पद हैं। माना जा रहा है कि जल्द ही एक आईएएस की छोटी सूची आ सकती है जिसमें इंदौर को आईएएस अपर कलेक्टर मिल सकता है।

सीएम यादव की बड़ी सौगात

मप्र पुलिस में फिर उत्कृष्ट खिलाड़ियों की होगी सीधी भर्ती, नियम में हुआ संशोधन

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● मध्यप्रदेश के खिलाड़ियों के लिए खुशखबरी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव उनके करियर के लिए बड़ा कदम उठाने जा रहे हैं। वे पुलिस विभाग में उत्कृष्ट खिलाड़ियों की सीधी भर्ती फिर शुरू करने जा रहे हैं। इसके लिए गृह विभाग ने 'मध्यप्रदेश पुलिस (उत्कृष्ट खिलाड़ियों की नियुक्ति) नियम, 2021' में महत्वपूर्ण संशोधन भी कर दिए हैं।

इस संबंध में 15 जून को अधिसूचना प्रकाशित कर दी गई है। संशोधित नियमों के माध्यम से उत्कृष्ट खिलाड़ियों के चयन, पात्रता एवं मूल्यांकन प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी, सुव्यवस्थित और प्रभावी बनाया गया है। गौरतलब है कि इन संशोधनों से अब मध्यप्रदेश के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को शासकीय सेवा के लिए अन्य राज्यों की ओर रुख नहीं करना पड़ेगा। उन्हें अपने ही राज्य में मध्यप्रदेश पुलिस के अंतर्गत 10 उप निरीक्षक और 50 आरक्षक के पदों पर सीधी नियुक्ति का अवसर मिलेगा। सीएम डॉ. यादव की यह पहल खिलाड़ियों के लिए सम्मानजनक रोजगार सुनिश्चित करने के साथ-साथ उन्हें अपने खेल प्रशिक्षण और प्रतिस्पर्धात्मक तैयारी को निरंतर जारी रखने में भी सहायक होगी। गृह विभाग नए प्रावधानों के तहत खेल कोटे से भर्ती प्रक्रिया नियमित रूप से हर साल आयोजित करेगा। इससे खिलाड़ियों को स्थायी और संरचित अवसर मिलेंगे।

मापदंडों में मिलेगी छूट

बता दें, नए संशोधन के तहत पुलिस मुख्यालय हर साल आरक्षक और उप निरीक्षक पदों की रिक्तियों का विज्ञापन देंगे। पदक विजेताओं के साथ अब ओलंपिक, एशियाई और राष्ट्रमण्डल खेलों में सहभागिता करने वाले खिलाड़ी भी सीधी भर्ती के लिए पात्र होंगे। उत्कृष्ट खिलाड़ियों को निर्धारित शैक्षणिक योग्यता और शारीरिक मापदंड (ऊंचाई) में पूर्ण छूट प्रदान की जाएगी। साथ ही, उन्हें लिखित परीक्षा और शारीरिक दक्षता परीक्षण से भी छूट रहेगी। उत्कृष्ट खिलाड़ियों की नियुक्तियां किसी आरक्षित वर्ग के अंतर्गत न होकर अनारक्षित (सामान्य) श्रेणी में शामिल की जाएंगी। केवल वे खेल विधाएं मान्य होंगी, जो पिछले तीन ओलंपिक खेलों में शामिल रही हों। मेरिट अंक समान होने की स्थिति में वरिष्ठता का निर्धारण ओलंपिक, एशियाई खेल, विश्व कप आदि की प्राथमिकता तथा खिलाड़ी की आयु के आधार पर किया जाएगा।

एमजे पेपर विवाद में नया मोड़ प्रिंटिंग प्रेस को क्लीन चिट

जांच का फोकस अब प्रश्न-पत्र तैयार करने वालों पर

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● देवी अहिल्या विवि (डीएवीवी) के मास्टर ऑफ जर्नलिज्म (एमजे) के मीडिया रिसर्च प्रश्नपत्र विवाद में नया मोड़ आ गया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया कि प्रिंटिंग प्रेस ने विश्वविद्यालय के गोपनीय विभाग से प्राप्त प्रश्नपत्र को ज्यों का त्यों छापा था। इसके बाद अब जांच का केंद्र प्रश्नपत्र तैयार करने वाले पेपर सेटर और संबंधित जिम्मेदारों की भूमिका पर आ गया है।

सोमवार को हुई परीक्षा में विद्यार्थियों को पूरा प्रश्नपत्र अंग्रेजी में मिला था, जबकि हिंदी के छात्र भी परीक्षा में शामिल थे।

विरोध के बाद शिक्षकों ने ब्लैकबोर्ड पर प्रश्नों का हिंदी अनुवाद लिखकर परीक्षा कराई, जिससे परीक्षा करीब आधा घंटा देरी से शुरू हुई। सूत्रों के मुताबिक प्रिंटिंग प्रेस की भूमिका संदेह से बाहर होने के बाद विश्वविद्यालय अब प्रश्नपत्र तैयार करने और उसकी जांच करने वालों को नोटिस देने पर विचार कर रहा है। प्रभारी परीक्षा नियंत्रक डॉ. अजय तिवारी ने कहा कि यदि छात्र औपचारिक शिकायत दर्ज कराते हैं तो विश्वविद्यालय पुनर्परीक्षा पर विचार कर सकता है।

जनगणना कार्य में लगे 80 हजार शिक्षकों के नहीं होंगे तबादले

डीपीई ने कहा कि फरवरी 2027 से यह शिक्षक जनगणना करेंगे

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

भोपाल ● मध्य प्रदेश में शिक्षकों की स्थानांतरण प्रक्रिया एक दिन पहले शुरू हो चुकी है। अब इस सिस्टम में वह सभी टीचर जो जनगणना में लगे हैं, इन्हें तबादला नीति का कोई लाभ नहीं मिलेगा। लोक शिक्षण संचालनालय ने इस संदर्भ में स्थिति स्पष्ट कर दी है। मई में 80 हजार शिक्षकों की जनगणना में ड्यूटी लगी थी। शिक्षकों ने मकानों की गणना कर ली है।

स्कूल शिक्षा विभाग का कहना है कि फरवरी 2027 से जनगणना शुरू होगी। तब तक इन शिक्षकों को स्थानांतरण प्रक्रिया से दूर रखा है। जनगणना का काम जैसे ही पूरा होगा तो अगले साल की तबादला प्रक्रिया में शिक्षक ट्रांसफर के लिए आवेदन कर सकते हैं। जानकारी है कि जनगणना में लगे अनेक शिक्षक लोक शिक्षण संचालनालय के समक्ष पक्ष भी रख चुके हैं कि जनगणना में अभी 9 माह का समय शेष है। इसलिए उन्हें तबादला नीति का लाभ मिलना चाहिए। दूसरी जगह भी शिक्षक स्थानांतरित होता है तो वह वहां भी जनगणना कर सकता है। लेकिन विभाग में अधिकारियों ने इससे साफ इनकार कर दिया है। जनगणना में लगे शिक्षकों की पारिवारिक परेशानियां हैं। कई स्वयं बीमार हैं। कई ऐसे शिक्षक हैं जिनमें पति और पत्नी दोनों नौकरी में हैं। ऐसे शिक्षकों को नई तबादला नीति में स्थानांतरण की पूरी उम्मीद थी। विभाग ने साफ मना किया है कि ऐसे शिक्षक स्थानांतरण नहीं ले सकते हैं। कई महिला शिक्षकों के छोटे बच्चे हैं तो कई के माता-पिता व सास-ससुर बीमार हैं। उम्मीद थी स्थानांतरण नीति का लाभ मिलेगा, लेकिन उम्मीदों पर पानी फिर गया है।

स्थानांतरण नीति में अविलंब संशोधन की जरूरत

अब इस मामले को लेकर शिक्षक संघों ने मोर्चा संभाला है। राज्य शिक्षक संघ मप्र के प्रदेश अध्यक्ष जगदीश यादव ने नवीन स्थानांतरण नीति पर आपत्ति दर्ज करते हुए कहा कि नीति में तत्काल संशोधन होना चाहिए। इस नीति में उन शिक्षकों को स्थानांतरण प्रक्रिया से वंचित किया है जिनकी ड्यूटी आगामी जनगणना कार्य में लगाई है। यह निर्णय न हजारों शिक्षकों के साथ अन्याय और उनके वैधानिक अधिकारों का भी हनन है। उन्होंने कहा कि स्वैच्छिक स्थानांतरण का अवसर बार-बार प्राप्त नहीं होता। अनेक शिक्षक वर्षों से इस समय स्थानांतरण की प्रतीक्षा कर रहे हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि जनगणना कार्य में संलग्न शिक्षकों के स्थानांतरण आदेश जारी किए जा सकते हैं। यह शर्त रखी जा सकती है कि वे जनगणना कार्य पूर्ण होने के बाद ही नवीन पदस्थापना स्थल के लिए कार्यमुक्त होंगे। उन्होंने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह एवं स्कूल शिक्षा विभाग एवं संबंधित अधिकारियों को पत्र लिखकर आग्रह किया कि स्थानांतरण नीति में आवश्यक संशोधन किए जाएं, जिससे किसी भी शिक्षक के साथ भेदभाव न हो तथा सभी को न्यायपूर्ण अवसर प्राप्त हो सके।

अंडरग्राउंड मेट्रो परियोजना मामले में तीन बिंदुओं पर हुई सुनवाई

अब हाई कोर्ट में अगली सुनवाई 29 जून को

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● शहर में प्रस्तावित अंडरग्राउंड मेट्रो परियोजना को लेकर हाई कोर्ट में लगी जनहित याचिका पर मंगलवार को सुनवाई हुई। इसमें याचिकाकर्ता ने कहा कि कलेक्टर ने तीन बिंदुओं पर मेरी बात सुन ली है। अब पांच बिंदु और बाकी हैं। उन पर भी जल्दी सुनवाई कर ली जाए। इस पर कोर्ट ने अगली तारीख 29 जून की दी है।

मेट्रो परियोजना को चुनौती देने वाली याचिका को लेकर मंगलवार को हाई कोर्ट में न्यायमूर्ति सुबोध अभ्यंकर और न्यायमूर्ति आलोक अवस्थी की खंडपीठ में हुई। इसमें याचिकाकर्ता किशोर कोडवानी ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि कोर्ट के आदेश पर कलेक्टर शिवम वर्मा ने उनका पक्ष सुना। गौरतलब है कि पिछली सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट ने कलेक्टर को निर्देश दिए थे कि वे याचिकाकर्ता के साथ बैठक कर उनकी आपत्तियों और सवालों पर चर्चा करें तथा समाधान निकालकर अगली सुनवाई में अदालत को अवगत कराएं। इसके बाद कलेक्टर और याचिकाकर्ता के बीच तीन दौर की बैठकें हो चुकी थीं, लेकिन किसी ठोस निष्कर्ष तक बात नहीं पहुंची।

चार पैकेजों के टेंडर मंजूर होने के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे भूमिपूजन

नर्मदा परियोजना के चौथे चरण के लिए 1350 करोड़ का कर्ज लेगा नगर निगम

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● नगर निगम की 19 जून को होने वाली महापौर परिषद (एमआईसी) बैठक में कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर निर्णय लिया जाएगा। इनमें सबसे बड़ा प्रस्ताव नर्मदा परियोजना के चौथे चरण के लिए लगभग 1350 करोड़ रुपए का ऋण लेने से जुड़ा है। परियोजना के चार पैकेजों के टेंडर मंजूर होने और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा भूमिपूजन किए जाने के बाद अब निगम ने काम शुरू कर दिया है तथा इसके लिए वित्तीय संसाधन जुटाने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है।

निगम को ऋण देने के लिए चार प्रमुख वित्तीय संस्थानों और बैंकों ने प्रस्ताव दिए हैं। इनमें एसबीआई, आईसीआईसीआई बैंक, बैंक ऑफ महाराष्ट्र और बैंक ऑफ इंडिया शामिल हैं। सूत्रों के मुताबिक बैंक ऑफ इंडिया ने सबसे कम करीब 8.5 प्रतिशत ब्याज दर का प्रस्ताव दिया है, जिसे एमआईसी की मंजूरी मिलने की संभावना है। एमआईसी के एजेंडे में फायर सेफ्टी शुल्क, सीवरेज कनेक्शन शुल्क, निजी कॉलोनियों और बहुमंजिला इमारतों के लिए नई व्यवस्थाएं, सत्यसाई पार्किंग कॉम्प्लेक्स का संचालन, सिनेमाघरों में विज्ञापन शुल्क निर्धारण, पटेल रोटरी के सौंदर्गीकरण और एयरपोर्ट रोड पर सेवन स्टार स्मारक स्थापना जैसे प्रस्ताव भी शामिल हैं। बैठक को नगर निगम की आगामी वित्तीय और विकास योजनाओं के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है, क्योंकि इसके फैसले शहर की आधारभूत संरचना और राजस्व व्यवस्था दोनों को प्रभावित करेंगे।

एमआईसी बैठक में शहर के कई क्षेत्रों के रेट जोन में बदलाव का प्रस्ताव भी रखा जा सकता है। निगम का तर्क है कि जिन क्षेत्रों में बड़े व्यावसायिक प्रतिष्ठान, होटल, मॉल और टाउनशिप विकसित हो चुकी हैं, वहां वर्षों से पुराने रेट जोन के आधार पर कर वसूली हो रही है। हालांकि महापौर पुष्यमित्र भार्गव पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि आम नागरिकों पर अतिरिक्त संपत्ति कर का बोझ नहीं डाला जाएगा। शहर में प्रॉपर्टी टैक्स को नहीं बढ़ाया जाएगा। बैठक में पुराने कपड़ों के पुनर्चक्रण (रीसाइक्लिंग) और नारियल के कचरे के प्रसंस्करण से जुड़े संयंत्रों की स्थापना पर भी निर्णय लिया जाएगा।

15 वर्ष की अवधि के लेंगे कर्ज

निगम अधिकारियों के अनुसार यह ऋण 15 वर्ष की अवधि के लिए लिया जाएगा, जबकि शुरुआती तीन वर्ष मोरेटोरियम अवधि के रूप में रहेंगे। जरूरत के अनुसार राशि चरणबद्ध तरीके से निकाली जाएगी। जुलाई माह में लगभग 100 करोड़ रुपए की पहली आवश्यकता बताई जा रही है। अनुमान है कि ऋण की मासिक किस्त 18 से 20 करोड़ रुपए तक पहुंच सकती है।

काले जामून की बहार...

इंदौर। इन दिनों काले जामून की भरपूर आवक देखी जा रही है। पर्यावरणविद और मौसम के जानकार इसको लेकर प्रकृति के गहरे परिवर्तन के संकेत मान रहे हैं। फोटो : दैनिक इंदौर संकेत

पिपलियापाला रीजनल पार्क का वर्ष 2011 से सफर 2026 तक बदहाल

इंदौर संकेत प्रतिनिधि

इंदौर ● अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा पिपलियापाला रीजनल पार्क के सफर की शुरुआत वर्ष 2011 में हुई और 2016 में इसे तकरीबन सालाना डेढ करोड में 15 वर्ष के लिए मालवा क्वीन के नाम से एमपी टूरिज्म विभाग को तालाब किराए पर दिया था जहां बोटिंग क्लब की शुरुआत हुई थी। बताया जा रहा है कि इस दौरान वर्ष 2018-2019 के बीच पूर्व कलेक्टर लोकेश जाटव ने रुचि लेते हुए कई काम कराने का प्रयास किया और वोट क्लब बेहतर चलने लगा परन्तु बाद में न तो किसी कलेक्टर और न ही निगम कमिश्नर से लेकर महापौर ने रुचि ली। अब नतीजा यह है कि पिपलापाला रीजनल पार्क दिन ब दिन बदहाल होता जा रहा है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक : **अक्षय तिवारी** द्वारा मेसर्स डी.बी. कार्प लिमि. 44-45/ए, 50-51/ए, सेक्टर एफ इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड़, इंदौर (मप्र)- 452008 से मुद्रित एवं 5/6, नार्थ राजमोहल्ला (गुरूद्वारे के सामने), इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। **आरएनआई - एमपीएचआईएन/2021/81650**
सभी विवादों के लिए न्याय क्षेत्र केवल इंदौर रहेगा। समाचार पत्र में व्यक्तिगत नाम से प्रकाशित खबर एवं आलेख के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।